RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 329 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 27-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

2 पासपोर्ट, आधार को नागरिकता का प्रमाण बनाने के लिए कानूनी ढांचे में संशोधन हो: थरूर

6 भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

7 अजय देवगन की नई फिल्म 'चौहान' का फर्स्ट लुक वीडियो जारी

फर्स्ट टेक

मृत्युभोज में मालपुए नहीं परोसने पर 43 परिवारों का सामाजिक बहिष्कार

जयपुर/भाषा। राजस्थान के सिरोही जिले के एक गांव में अंतिम संस्कार के बाद आयोजित मृत्युभोज में पारंपरिक घी के मालपुए नहीं परोसने पर 43 परिवारों का कथित तौर पर सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह मामला जिले के बरलूट थाना क्षेत्र के मांडवरिया गांव का है, जहां आर्थिक रूप से कमजोर एक परिवार ने इसी महीने अपने एक सदस्य के निधन के बाद मृत्युभोज में सादा भोजन परोसा था। बरलूट थाने के सहायक उपनिरीक्षक रमेश कुमार ने बताया, ''हमें शिकायत मिली है और मामले की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह मामला पुराने विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। जांच पूरी होने के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।'' शिकायत के अनुसार, आर्थिक तंगी के कारण परिवार मृत्युभोज में परंपरा के अनुरूप घी के मालपुए नहीं बनवा सका और उसकी जगह सामान्य भोजन की व्यवस्था की गई। इससे समुदाय के एक दर्जन से अधिक पंच कथित तौर पर नाराज हो गए और 18 जून को शोकाकुल परिवार के साथ-साथ उसका समर्थन करने वाले 42 अन्य परिवारों के सामाजिक बहिष्कार का फरमान जारी कर दिया।

बीजिंग की सबसे ऊंची इमारत से टकराया छोटा विमान

बीजिंग/भाषा। चीन के बीजिंग में शुक्रवार को एक छोटा स्पोर्ट विमान शहर की सबसे ऊंची इमारत 'सिटिक टावर' से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद इमारत को खाली करा लिया गया। हालांकि यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका कि इस दुर्घटना में कोई हताहत हुआ है या नहीं और विमान में कितने लोग सवार थे। दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा क्षेत्र में बिखरा हुआ पाया गया। विमान कहां से आया था और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका अब तक पता नहीं चल पाया है।

वेनेजुएला: भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हुई

ला ग्वायरा/एपी। वेनेजुएला में बुधवार को आए दो विनाशकारी भूकंप के झटकों में मरने वाले की संख्या बढ़कर 920 हो गई है जबकि 3,360 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज़ ने घोषणा की कि देश में भूकंप से मरने वालों की संख्या कम से कम 920 हो गई है, और 3,360 अनय घायल हुए हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। कई परिवारों का कहना है कि उनके प्रियजन अब भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं।

सूर्यास्त 27-06-2026 6:38 बजे | सूर्योदय 28-06-2026 5:45 बजे

BSE	NSE
77,100.47	24,056.00
(+109.25)	(+34.35)

सोना	चांदी
14,698 रु.	234,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आवारा पशुधन

बाधित हैं सारे राजमार्ग,
सड़कों पर बैठा है पशुधन।
आवारा गौ और वत्स त्रस्त,
बिन मालिक फिरते हैं वन-वन।
पाले अब इनको कौन व्यर्थ,
पर्याप्त नहीं है संसाधन।
नित होती दुर्घटनाओं से,
आतंकित है सारा जन-मन।।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आबकारी अधिकारियों को चेतावनी दी और कहा

'ऐसे किसी भी कार्य को बर्दाश्त नहीं करेंगे जिससे सरकार की छवि खराब हो'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को आबकारी अधिकारियों को सरकार की छवि खराब करने वाले किसी भी कार्य के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि जरूरत पड़ने पर उनका अन्य विभागों में तबादला करने के लिए कानूनी प्रावधान किये जा सकते हैं। यहां विधान सौधा में आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक करते हुए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बहुत सावधानी से काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ''यदि आप गरिमापूर्ण ढंग से काम करेंगे, तो सरकार की गरिमा बढ़ेगी। यदि आप सरकार की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कोई कार्य करेंगे, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। यह न समझें कि आबकारी विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों का तबादला किसी अन्य विभाग में नहीं किया जा सकता।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर तबादलों के लिए जरूरी कानूनी प्रावधान किये जा सकते हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, ''मैं आपको अत्यंत सावधानी से काम करने का स्पष्ट निर्देश दे रहा हूं।''

शिवकुमार ने कहा कि वह ऐसे किसी भी कार्य को बर्दाश्त नहीं करेंगे जिससे उनकी सरकार की छवि खराब होती हो। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने हाल में लागू की गई एआईबी (पेय पदार्थों में अल्कोहल) नियमावली का जिक्र करते हुए कहा कि विभाग में एआईबी नियमावली लागू होने के बाद, 574 नये लाइसेंसों की ई-नीलामी करने का निर्णय लिया गया है। बयान में कहा गया है कि लाइसेंस नवीनीकरण राशि को दो किस्तों में भुगतान करने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

एआई को जिम्मेदारी के साथ अपनाना विकसित भारत के लिए जरूरी : मोदी

- जैसे-जैसे भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे कृत्रिम मेधा (एआई) को जिम्मेदारी के साथ तथा समावेशी तरीके से अपनाना और भी महत्वपूर्ण होता जाएगा।
- सरकार वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के व्यापक प्रयासों के तहत विभिन्न पहल कर रही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) को जिम्मेदारी के साथ और समावेशी तरीके से अपनाना भारत की विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा उद्योगों को नया स्वरूप दे रही है और उत्पादकता तथा नवाचार के नए अवसर पैदा कर रही है।

भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) की ओर से आयोजित 'एआई इनोवेशन समिट' को भेजे अपने संदेश में मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी की प्रगति के कारण लेखांकन और वित्तीय पेशे में भी तेजी से बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने कहा, '' जब एआई-आधारित उपकरणों का जिम्मेदारी से और मानवीय विवेक के साथ उपयोग किया जाता है, तो वे कार्यकुशलता बढ़ा सकते हैं। साथ ही अनुपालन को मजबूत कर सकते हैं, बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं और पेशेवरों को अधिक मूल्य प्रदान करने में सक्षम बना सकते हैं।''

राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार से शुरू हुए दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया गया। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे कृत्रिम मेधा (एआई) को जिम्मेदारी के साथ तथा समावेशी तरीके से अपनाना और भी महत्वपूर्ण होता जाएगा।

सरकार वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के व्यापक प्रयासों के तहत विभिन्न पहल कर रही है।

मोदी ने देश की प्रगति में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) समुदाय के अमूल्य योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा, '' जैसे-जैसे भारत एआई युग के अवसरों को अपना रहा है, मुझे विश्वास है कि सीए समुदाय वित्तीय क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता का नेतृत्व करते हुए ईमानदारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखेगा तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान देता रहेगा। ''

संसद के एक अधिनियम के तहत स्थापित भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) के पांच लाख से अधिक सदस्य हैं।

एसआईआर के एक साल पूरे, अब तक करीब छह करोड़ नाम हटाये गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद शुरू हुए एक साल पूरे हो गए हैं तथा 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया जारी है।

एसआईआर के जरिये अब तक लगभग छह करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाये जा चुके हैं तथा इसे लेकर विपक्ष और निर्वाचन आयोग के बीच तल्खी पैदा हुई है। पिछले साल बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में एसआईआर की कवायद शुरू की गई थी। बिहार में एसआईआर के बाद, वहां की मतदाता सूची से लगभग 65 लाख नाम हटा दिए गए। इस पर विपक्ष और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम कर रहा है और दस्तावेज न होने की वजह से नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर रहा।

मार्च में, उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर की कवायद संबंधी निर्वाचन आयोग के कदम की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था। वहीं, जिन लोगों के नाम एसआईआर के दौरान हटा दिए गए थे, उन्हें पश्चिम बंगाल और बिहार में राज्य की कल्याणकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से बाहर किया जा रहा है। हाल में हुए विधानसभा चुनावों के बाद, दोनों (बिहार और पश्चिम बंगाल) राज्यों की सरकारों ने घोषणा की कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण करने के डेटा को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ा जा रहा है।

'वंदे मातरम' केवल गीत नहीं, भारत के पुनर्निर्माण का मंत्र : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक देशभक्ति गीत नहीं, बल्कि भारत के पुनर्निर्माण का मंत्र है। शाह ने मादक पदार्थों के खिलाफ देश की रणनीति पर आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

शाह ने राष्ट्रीय नार्को-समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्षस्तरीय बैठक में कहा कि 26 जून देश के मादक पदार्थ विरोधी अभियान के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि इस दिन बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती भी है, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान राष्ट्र के आत्मविश्वास को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।

शाह ने कहा, बंकिम बाबू ने 'वंदे मातरम्' की रचना की थी। 'वंदे मातरम्' राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना और देशभक्ति का एक सशक्त प्रतीक बन गया। जब स्वतंत्रता संग्राम अपने चरम पर था, तब अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का प्रमुख नारा 'वंदे मातरम्' था।

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि अनेक क्रांतिकारियों ने 'वंदे मातरम्' का उद्घोष करते हुए फांसी के फंदे को चूमा था।

शाह ने कहा, 'वंदे मातरम्' हम सभी भारतीयों के लिए केवल एक नारा या गीत नहीं है। 'वंदे मातरम्' केवल ऐसा गीत भी नहीं है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत की थी। 'वंदे मातरम्' भारत के पुनर्निर्माण का मंत्र है और विश्व में भारत माता को सर्वोच्च स्थान पर पुनः स्थापित करने का एक माध्यम भी है।

इस बैठक में 44 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों, राज्य सरकारों तथा स्वापक कानून लागू करने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने प्रत्यक्ष और ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया।

राम मंदिर दान कथित गबन मामला:

गिरफ्तार सभी आठों आरोपी 29 तक न्यायिक हिरासत में

- जांचकर्ता ने आरोपियों के पास से अब तक 79.85 लाख रुपए बरामद करने का दावा किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/लखनऊ/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान के कथित गबन के मामले में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को शुक्रवार को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इस बीच, उत्तर प्रदेश की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

जांचकर्ता ने आरोपियों के पास से अब तक 79.85 लाख रुपए बरामद करने का दावा किया है।

इस बीच, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे की अटकलों के बीच विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कहा कि उसे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। चंपत राय विहिप के उपाध्यक्ष भी हैं।

उन्नाव जिले की एक छात्रा को 20.98 करोड़ रुपए के विनिमय को लेकर आयकर समन मिला

उन्नाव (उप्र)/भाषा। उन्नाव जिले के एक स्नातक छात्रा को शुक्रवार को 20.98 करोड़ रुपए की कथित आय और व्यावसायिक लेनदेन के संबंध में आयकर विभाग से समन मिला है। छात्रा का दावा है कि दिल्ली की एक फर्जी कंपनी ने उसके आधार और पैन कार्ड का दुरुपयोग किया है। गिरिजाबाग इलाके की निवासी रश्मि सविता ने कहा कि आयकर विभाग (चंडीगढ़) ने उसके खिलाफ आयकर अधिनियम की धारा 131 (1ए) के तहत एक समन जारी किया था, जिसमें पांच मई तक जवाब मांगा गया था। छात्रा के अनुसार समन में कथित तौर पर 20.98 करोड़ रुपए की आय और व्यावसायिक लेनदेन के बारे में जानकारी मांगी गई थी। रश्मि ने कहा कि मामले के बारे में जानकारी जुटाने पर उन्हें पता चला कि 'आरएस एंटरप्राइजेज' नाम की एक कंपनी कथित तौर पर उनके आधार और पैन कार्ड का इस्तेमाल कर दिल्ली के बुराड़ी इलाके में काम कर रही थी।

मानवीय सहायता

भारत ने भूकंप से प्रभावित वेनेजुएला को मानवीय सहायता देने के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है और इसके तहत, राहत सामग्री और 41 सदस्यों वाली बचाव टीम को लेकर भारतीय वायुसेना के दो सी-17 ग्लोबमास्टर विमान शुक्रवार को लातिन अमेरिकी देश के लिए रवाना हुए। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''इस मुश्किल समय में भारत वेनेज़ुएला की सरकार और वहां के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।'' मंत्रालय ने बताया कि भारत ने आपदा प्रभावित लातिन अमेरिकी देश के लोगों के साथ एकजुटता दिखाते हुए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' नाम से एक मानवीय सहायता और आपदा राहत मिशन शुरू किया है।

वैदिक काल में स्त्रियों का अत्यधिक सम्मान किया जाता था : एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की सामाजिक विज्ञान विषय की एक नयी किताब में मनुस्मृति का महिलाओं के सम्मान से जुड़ा एक श्लोक शामिल किया गया है। पुस्तक में कहा गया है कि ''वैदिक काल में स्त्रियों का अत्यधिक सम्मान किया जाता था, लेकिन समय के साथ सामाजिक और राजनीतिक स्थिति बदलने पर उनका दर्जा ऊपर-नीचे होता रहा, और यहाँ तक कि गिरा भी''। इसका उल्लेख 1000 ईस्वी तक 'राज्य और समाज' वाले अध्याय में मिलता है, जिसमें वैदिक काल को प्राय: एक ऐसे दौर के तौर पर बताया जाता है, जब समाज में महिलाओं का स्थान ऊंचा और सम्मानजनक था।

मनुस्मृति संस्कृत का एक प्राचीन ग्रंथ है, जो हिंदू परंपरा में सही ढंग से जीवन जीने, सामाजिक वर्गों और शासन-व्यवस्था के नियमों को बताता है। जाति और लिंग से संबंधित इसके प्रावधान लंबे समय से बहस का विषय रहे हैं। पाठ्यपुस्तक में कहा गया है, स्त्रियां विद्वतापूर्ण शिक्षा और कुछ खास अवसरों पर पुरुषों के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लेती थीं तथा सार्वजनिक सभाओं में भी शामिल होती थीं। ऋग्वेद के कई सूक्त पारंपरिक रूप से अपाला, विश्ववारा, घोषा और लोपामुद्रा जैसी ऋषिकाओं से जुड़े माने जाते हैं। जहाँ स्त्रियों सम्मान होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं और जहाँ स्त्रियों का सम्मान नहीं होता, वहाँ किए गए सभी अच्छे कर्म निष्फल हो जाते हैं।

यूक्रेन ने रूस पर भीषण ड्रोन हमला किया

कीव/एपी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि उसने वायु रक्षा प्रणाली के जरिये 12 रूसी क्षेत्रों के ऊपर, साथ ही अवैध रूप से कब्जाए गए क्रीमिया और आसपास के क्षेत्र में रातभर में यूक्रेन के 660 ड्रोन को बीच में रोक कर उन्हें नष्ट कर दिया।

रूस की ओर से 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर किए गए आक्रमण के बाद से इसे सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। यूक्रेन का इससे पहले का सबसे बड़ा हमला 17 मई को हुआ था, जब उसने 556 ड्रोन दागे थे।

यह बड़ा हमला यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा 'एक्स' पर दिए गए बयान के कुछ घंटों बाद हुआ। जेलेंस्की ने कहा था कि उन्होंने ''40 दिनों का एक अभियान'' शुरू करने का आदेश दिया है। माना जा रहा है कि इसका आशय हमलों में तीव्रता लाने से है, जिसका उद्देश्य रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए मजबूर करना है।

पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन ने रूस के सैन्य ठिकानों और ऊर्जा केन्द्रों पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। इन हमलों से रूस में ईंधन की कमी और सैन्य आपूर्ति लाइनों में बाधा उत्पन्न हुई है, जिससे चार साल से अधिक समय से जारी युद्ध में मॉस्को के सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है। मॉस्को के दक्षिण में स्थित तुला क्षेत्र में एक निजी घर इस हमले में क्षतिग्रस्त हो गया और एक महिला घायल हो गई। क्षेत्रीय गवर्नर दिमित्री मिल्यायेव ने यह जानकारी दी।

भारत-ब्रिटेन एफटीए का मुख्य लक्ष्य परिवर्तनकारी वृद्धिः गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का प्रमुख लक्ष्य दोनों देशों के बीच परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि होना चाहिए।

गोयल भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के 15 जुलाई से लागू होने से पहले दोनों देशों की तैयारियों की समीक्षा के लिए तीन दिवसीय ब्रिटेन दौरे पर हैं।

लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग की ओर से आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ (फिक्की) के नेतृत्व वाले कारोबारी प्रतिनिधिमंडल से सीईटीए के तहत उन्नत विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तुओं, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों पर चर्चा की।

गोयल ने कहा, मेरे विचार से भारतीय और ब्रिटेन की कंपनियों के लिए सहयोग, साझेदारी और संयुक्त प्रयास तेजी से आगे बढ़ने का सबसे प्रभावी तरीका होगा। इससे कारोबार का विस्तार तेज हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार सामान्य तौर पर चार से छह प्रतिशत की दर से बढ़ता है, लेकिन भारत को इससे कहीं अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने होंगे।

गोयल ने कहा कि यदि भारत केवल इतनी ही वृद्धि को लक्ष्य बनाएगा तो यह दुनिया के भारत पर बढ़ते भरोसे के साथ न्याय नहीं होगा।

मंत्री ने बताया कि सीईटीए के साथ ही अगले महीने लागू होने वाला दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) दोनों देशों में पांच वर्ष तक के अस्थायी कार्यकाल पर काम करने वाले कर्मचारियों पर लागू होगा। गोयल ने कहा कि सीईटीए केवल शुल्क और मूल नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लगभग 48 अरब पाउंड के द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को नई ऊंचाई देने का व्यापक अवसर है। उन्होंने कहा कि कारोबारी समुदाय को नए क्षेत्रों में प्रवेश और परिवर्तनकारी वृद्धि को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कार्यक्रम में गोयल ने कई रिपोर्ट जारी कीं, जिनमें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की 'इंडियन रूट्स, ब्रिटिश सॉयल' रिपोर्ट शामिल है। इसमें पिछले एक दशक में ब्रिटेन में भारतीय निवेश की यात्रा का विवरण दिया गया है।

इसके अलावा, यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूकेआईबीसी) की सीईटीए कार्यान्वयन पुस्तिका, रेटिंग एजेंसी केयरएज की रिपोर्ट और फिक्की की भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी पर आधारित रिपोर्ट भी जारी की गई।

गोयल ने कहा, अब तक हमारे पास केवल फिच, मूडीज और स्टैंडर्ड एंड पुअर्स जैसी रेटिंग एजेंसियां थीं। मैं यह रिकॉर्ड पर कह सकता हूं कि उन्होंने भारत के साथ निष्पक्ष व्यवहार नहीं किया। उन्होंने भारत की वृद्धि गाथा, मजबूत आर्थिक बुनियाद, उसकी क्षमता और भविष्य का उतना सही आकलन नहीं किया, जितना किसी रेटिंग एजेंसी को करना चाहिए। मैं उनके इरादों पर कोई सवाल नहीं उठा रहा हूं, लेकिन यह बात मुझे निश्चित रूप से हैरान करती है।

गोयल ने कहा, ''मुझे लगता है कि 'केयरएज' ने अपना काम पूरी तरह से निष्पक्ष होकर किया है। उसने भारत की तुलना में बेहद कमजोर और भविष्य की कम संभावनाओं वाली अर्थव्यवस्थाओं का आकलन किया है, जिन्हें अन्य रेटिंग एजेंसियों ने न जाने किन कारणों से भारत से बेहतर रेटिंग दे रखी है।''

भारत में पर्यटन की अपार संभावनाओं पर चर्चा के दौरान मंत्री ने अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए निर्यात संवर्धन के दृष्टिकोण से सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं में सरकार की ओर से वित्तीय सहयोग देने की पेशकश की।

त्रि-भाषा फॉर्मूला के तहत सातवीं से नौवीं तक के छात्र मौजूदा संयोजन को जारी रख सकेंगे : सीबीएसई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की सातवीं से नौवीं कक्षा तक के उन लाखों छात्रों को राहत मिली है, जिन्होंने त्रि-भाषा नीति के तहत दो विदेशी भाषाओं का चयन किया है। उन्हें 10वीं कक्षा तक उसी भाषा संयोजन के साथ पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यह घटनाक्रम सीबीएसई की उस घोषणा के एक महीने से अधिक समय बाद हुआ है, जिसमें कहा गया था कि 1 जुलाई से नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए तीन भाषाओं की पढ़ाई अनिवार्य कर दी गई है, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं शामिल होंगी। कई छात्रों और अभिभावकों ने सीबीएसई के आदेश के खिलाफ अदालत का रुख किया था। सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''नई भाषा नीति के तहत कम से कम दो भारतीय भाषाओं की पढ़ाई को आगे छठी कक्षा से लागू किया जाएगा और यह उन छात्रों पर पूर्व प्रभाव से लागू नहीं होगा, जो पहले से ही सातवीं से लेकर नौवीं कक्षा तक में पढ़ रहे हैं।''

अधिकारी ने कहा, ''इस बारे में जल्द ही एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की जाएगी।'' सीबीएसई ने मई में कहा था कि जब तक विशेष आर3 पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हो जातीं, नौवीं कक्षा के छात्र चुनी हुई भाषा की छठी कक्षा की आर3 पाठ्यपुस्तकों (2026-27 संस्करण) का इस्तेमाल करेंगे। आर3 पाठ्यपुस्तक छात्रों के लिए जारी की गई तीसरी भाषा की अध्ययन सामग्री को संदर्भित करती है।

केंद्र ने औषधि, खाद्य सुरक्षा कानूनों के प्रावधानों में दी राहत

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में जन विश्वास कानून, 2026 के तहत अहम सुधार लागू करते हुए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून 2006 के अंतर्गत कई छोटे और तकनीकी उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया है। हालांकि जन-स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करने वाले अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान बरकरार रखा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य कारोबार सुगमता को बढ़ावा देना, व्यवसायों पर अनुपालन संबंधी बोझ कम करना और उपभोक्ता सुरक्षा से समझौता किए बिना नियमों को सही ढंग से लागू करना है। संशोधित व्यवस्था के तहत, कुछ तकनीकी और प्रक्रियागत उल्लंघन, जिन पर पहले आपराधिक कार्रवाई की जाती थी, अब उनके निपटारे के लिए प्रशासनिक दंड का प्रावधान किया गया है। प्रमुख बदलावों में, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम की धारा 29 को हटा दिया गया है। इस धारा के तहत किसी दवा या प्रसाधन सामग्री के विज्ञापन में सरकारी विश्लेषक की रिपोर्ट का इस्तेमाल करने पर एक लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान था।

'पंजाब में साइबर अपराध से जुड़े 63,000 से अधिक खातों के लेनदेन पर रोक, 64 करोड़ रु. बरामद'

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने 540 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर धोखाधड़ी से जुड़े 63,749 बैंक खातों के लेन-देन पर रोक लगा दी। वर्ष 2025 से अब तक करीब 64 करोड़ रुपए की राशि बरामद की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने पिछले एक वर्ष के दौरान साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए धोखाधड़ी वाले लेनदेन का पता लगाया, संदिग्ध खातों से लेन-देन पर रोक लगाई और ठगी की रकम पीड़ितों को वापस दिलाने में मदद की। आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष 540.34 करोड़ रुपए की साइबर ठगी से जुड़े बैंक खातों के लेन-देन पर रोक लगाई गई। अधिकारी ने बताया कि एक जनवरी, 2025 के बाद बरामद की गई राशि में से 38.42 करोड़ रुपए पीड़ितों को लौटा दिए गए और इसी अवधि के दौरान पंजाब भर में साइबर अपराध के 62,253 मामले दर्ज किए गए। बैंक खातों से लेन-देन पर समय रहते रोक लगाने से ठगों को रकम निकालने से रोका जा सका और पीड़ितों की धनराशि बरामद करने की संभावना भी बढ़ी। जांच के दौरान संगठित साइबर अपराध गिरोहों, उनके वित्तीय लेन-देन के नेटवर्क और विभिन्न राज्यों से जुड़े उनके संबंधों का भी खुलासा हुआ।

सुरक्षा नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले दिल्ली के कोचिंग सेंटरों को सील किया जाएगा : सूद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि राजधानी के सभी 924 कोचिंग संस्थानों का सुरक्षा अभियान के तहत निरीक्षण किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जिन कोचिंग संस्थानों को नियमों के उल्लंघन के लिए पहले नोटिस दिए थे और आगे भी अगर नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए गए तो उन्हें सील कर दिया जाएगा। अन्य नियमों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों को नोटिस जारी कर कमियां दूर करने के लिए एक महीने का समय दिया जाएगा।

सूद ने कहा कि सरकार ने कोचिंग संस्थानों के नियमन से संबंधित न्यायमूर्ति गौबा समिति की सिफारिशें स्वीकार कर ली हैं और उच्च शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है जो विशेष रूप से रखरखाव और सुरक्षा के संदर्भ में यह अध्ययन करेगी कि ऐसे संस्थानों का संचालन किस प्रकार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''संबंधित एजेंसियां सभी 924 कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण करेंगी। यदि कोई संस्थान नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है तो जिन संस्थानों को पहले नोटिस जारी किए जा चुके हैं और जो अब भी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं उन्हें सील कर दिया जाएगा। अन्य संस्थानों को नोटिस देकर कमियां दूर करने के लिए एक महीने का समय दिया जाएगा।'' सूद ने कहा कि सरकार न्यायमूर्ति गौबा समिति की सिफारिशों के तहत पहले ही कार्रवाई शुरू कर चुकी है और प्रस्तावित उपायों को लागू करने के लिए एक कानून तैयार किया जा रहा है।

'गोवा को 2,000 करोड़ रुपए की समुद्री परियोजनाएं और 'वाटर मेट्रो' मिलेगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को घोषणा की कि सरकार गोवा के समुद्री क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 2,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं लाएगी और एक अत्याधुनिक 'वाटर मेट्रो' प्रणाली शुरू करेगी। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की मौजूदगी में नई 'कैप्टन ऑफ पोर्ट्स' इमारत का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''मैं खास तौर पर गोवा सरकार का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। अपने मंत्रालय की तरफ से हमने आने वाले दिनों में गोवा में समुद्री क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 2,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं लाने का फैसला किया है।''

सोनोवाल ने कहा कि सरकार लोगों की सुविधा के लिए गोवा में 'वाटर मेट्रो' प्रणाली शुरू करने की भी योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि 'कैप्टन ऑफ पोर्ट्स' इमारत एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इसका डिजाइन जहाजों से प्रेरित है और यह गोवा के समृद्ध इतिहास एवं समुद्री विरासत को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''इस पहल के जरिए सरकार ने गोवा की समुद्री विरासत को बचाने और उसे बढ़ावा देने की दिशा में एक मजबूत कदम उठाया है। यह हमारे प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) के उस विजन के अनुरूप है, जिसमें वह हमेशा कहते हैं - 'विकास भी, विरासत भी'।

नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल के दो साल, बोलेः सफर लंबा, पर लोगों के हक की लड़ाई का संकल्प अडिग

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपने दो साल पूरे कर लिए। इस मौके पर उन्होंने शुक्रवार को कहा कि सफर लंबा है, लेकिन देशवासियों के हक की लड़ाई लड़ने का उनका संकल्प अडिग है। उन्होंने पिछले दो वर्ष में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर उठाए गए प्रमुख मुद्दों से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आज दो साल पूरे हुए। इन दो वर्षों में हर दिन एक ही काम रहा, हर भारतीय की आवाज़ को सत्ता के गलियारे तक पहुंचाना। नीट के छात्रों की लड़ाई हो, वोट चोरी का पर्दाफाश हो या संविधान की रक्षा, हर मोर्चे पर आपके साथ खड़ा रहा, आज भी हूं, हमेशा रहूंगा।'' उन्होंने कहा, ''सड़क से संसद तक, आपका भरोसा ही मेरी सबसे बड़ी ताक़त है। सफ़र लंबा है, पर संकल्प वही, आपके लिए हर लड़ाई लड़ता रहूंगा। जय हिंद। जय संविधान।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने पिछले दो वर्षों के दौरान संविधान, बेरोजगारी, महंगाई, ''वोट चोरी'', किसानों के मुद्दे, दलित, पिछड़े, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े विषयों को उठाया है।

आईसीएआई एआई के लिए मानक तैयार करने पर विचार करेः शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) का जिम्मेदारी के साथ उपयोग को सुनिश्चित करने और एल्गोरिदम में संभावित पूर्वाग्रहों को रोकने के लिए भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) को एआई के लिए आश्वासन मानक विकसित करने पर विचार करना चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित आईसीएआई के 'एआई इनोवेशन समिट' को संबोधित करते हुए शेखावत ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य पेशेवरों को निरंतर कौशल उन्नयन तथा प्रौद्योगिकी में हो रहे बदलावों के साथ तालमेल बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) भारत के लिए नवाचार, ईमानदारी और विश्वास के साथ वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है।

पांच लाख से अधिक सदस्यों वाले आईसीएआई द्वारा अपने सदस्यों के कौशल उन्नयन के लिए एआई से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि संस्थान एआई के लिए मानक विकसित करने पर विचार कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने एल्गोरिदम से जुड़े पूर्वाग्रहों के कारण पैदा होने वाली चुनौतियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट केवल वित्तीय पेशेवर ही नहीं, बल्कि निवेशकों के भरोसे के संरक्षक भी हैं। शेखावत ने जिम्मेदार आचरण और विश्वास के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत कृत्रिम मेधा का जिम्मेदारी के साथ उपयोग की वकालत कर रहा है।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.6 से 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान : ईवाई

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक ऊर्जा बाजारों में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति बहाल होने और घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद के साथ चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 से 6.8% रहने का अनुमान है। वित्तीय सेवा कंपनी ईवाई की रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। 'ईवाई इकॉनमी वॉच' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा कि हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए यदि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत निचले स्तर पर स्थिर रहती हैं व होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही सामान्य हो जाती है, तो भारत की आर्थिक वृद्धि की सकारात्मक गति फिर से मजबूत हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर 6.6 से 6.8%, सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति 4.5%, बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि 12.5%, केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4% व चालू खाते का घाटा जीडीपी का 1.5% रहने का अनुमान है।

चेतन ने ही सिया को मंगेतर की हत्या के लिए उकसाया था : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की कथित हत्या मामले की जांच में सामने आया है कि सह-आरोपी चेतन चौधरी ने ही अग्रवाल की मंगेतर सिया गोयल को उसकी हत्या के लिए उकसाया था। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह दावा किया। इसबीच महाराष्ट्र सरकार ने अग्रवाल परिवार की उस मांग को मान लिया है जिसमें मशहूर वकील उज्ज्वल निकम को विशेष अभियोजक नियुक्त करके फास्ट-ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाने की बात कही गई थी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ''दोनों आरोपियों से पूछताछ में यह सामने आया कि चौधरी ने ही गोयल को लोहागढ़ किले पर अग्रवाल की हत्या करने के लिए उकसाया था।'' उन्होंने बताया कि मामले में गोयल के भाई से भी पूछताछ की गई है। मीडिया में आई उन खबरों के बारे में पूछे जाने पर, जिनमें दावा किया गया था कि अग्रवाल (25) के विग पहनने के कारण सिया उसे पसंद नहीं करती थी, पुलिस सूत्र ने कहा कि यह सही है कि केतन विग पहनता था, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि सिया के उसे नापसंद करने का यही एकमात्र कारण था। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि यह सच है कि केतन विग का एक छोटा सा पैच लगाता था और सगाई से पहले ही सिया और उनके परिवार को इस बारे में बता दिया गया था। उन्होंने कहा, ''...अगर उसे (सिया) कोई दिक्कत थी, तो उसे मना कर देना चाहिए था। मेरे बेटे की जान लेने की क्या ज़रूरत थी?''

पुलिस के अनुसार, सिया गोयल (20) और चेतन चौधरी (22) के खिलाफ केतन अग्रवाल की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। इन दोनों के आपस में प्रेम संबंध थे। आरोप है कि 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले में अग्रवाल को एक चट्टान से धक्का देकर उसकी हत्या कर दी गई। जांच से जुड़े पुणे देहात पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया था कि चट्टान वाले स्थान पर पहुंचने के बाद पहले से तय संकेत सिया ने चेतन चौधरी को दिया, जिसके बाद चौधरी ने अग्रवाल को पीछे से धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस बीच, सिया गोयल की मां ने दावा किया कि उनकी बेटी 18 जून को लोहागढ़ किले जाने के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन केतन अग्रवाल और उनकी मां ने उसे वहां जाने के लिए मना लिया। उन्होंने कहा, ''17 जून की शाम सिया और केतन के बीच वीडियो कॉल पर बातचीत हुई थी। इस दौरान केतन ने सिया से लोहागढ़ चलने का आग्रह किया।

डीआरआई ने सूरत में दो किलोग्राम कोकीन जब्त की, एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने शुक्रवार को सूरत में दो किलोग्राम कोकीन जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इस जब्ती के अलावा, डीआरआई ने मुंबई, दिल्ली, जयपुर, पटना, कोचीन और अहमदाबाद में कई हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, कूरियर केंद्र और राजमार्ग पर कई अभियान चलाए और पिछले महीने से अब तक कुल मिलाकर लगभग 26 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। इन अभियानों के दौरान 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 14 विदेशी नागरिक शामिल हैं। इस प्रतिबंधित सामान की तस्करी कई तरीकों से की जाती थी, जैसे कि निगलना (शरीर के अंदर छिपाने के लिए मादक पदार्थ से भरे कैप्सूल या गोलियां निगलना), घरेलू और खाने-पीने की चीजों में छिपाना, कपड़ों में छुपा कर रखना, सामान में छिपाना आदि। हर साल 26 जून को अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ और तस्करी विरोधी दिवस मनाया जाता है।

केरल की शराब नीति गठबंधन की पार्टियों से बातचीत के बाद तय की जाएगी : मंत्री

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राजस्व मंत्री ए पी अनिल कुमार ने शुक्रवार को कहा कि कम अल्कोहल वाले पेय पदार्थों पर कर में कटौती संबंधी कोई भी नीतिगत निर्णय सत्तारूढ़ संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के भीतर और कांग्रेस नेतृत्व के साथ चर्चा के बाद ही लिया जाएगा। कुमार की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब राज्य सरकार के वर्ष 2026 के बजट में कम अल्कोहल वाले पेय पदार्थों पर कर कम करने के प्रस्ताव को लेकर केरल में विवाद जारी है। बजट में 0.5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक अल्कोहल मात्रा वाले पेय पदार्थों पर 120 प्रतिशत बिक्री कर तथा 10 प्रतिशत से अधिक और 20 प्रतिशत तक अल्कोहल मात्रा वाले पेय पदार्थों पर 175 प्रतिशत बिक्री कर लगाने का प्रस्ताव किया गया है। प्रस्तावित कर ढांचे की विपक्ष और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने आलोचना की है। उनका तर्क है कि कम अल्कोहल वाले पेय पदार्थों पर कम कर लगाने से शराब की खपत को बढ़ावा मिल सकता है और निजी शराब कंपनियों को लाभ होगा।

पासपोर्ट, आधार को नागरिकता का प्रमाण बनाने के लिए कानूनी ढांचे में संशोधन होः थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने पासपोर्ट के नागरिकता का दस्तावेज नहीं होने से जुड़े विवाद के बीच शुक्रवार को कहा कि सरकार को कानूनी ढांचे में संशोधन कर पासपोर्ट और आधार कार्ड दोनों को भारतीय नागरिकता का वैध और निर्णायक प्रमाण घोषित करना चाहिए।

थरूर कहा कि इसे लागू करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बाधा को दूर करना होगा, क्योंकि आधार फिलहाल राष्ट्रीयता के बजाय 182 दिन के स्थानीय निवास के आधार पर जारी किया जाता है और यह नागरिकों तथा गैर-नागरिक निवासियों दोनों के पास होता है। थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इसका समाधान सीधा है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) को एक अलग पहचान वाला आधार कार्ड जारी करना चाहिए, जिसमें सामने की ओर तिरछी लाल पट्टी जैसी स्पष्ट पहचान हो और जिसे विशेष रूप से भारत में रहने वाले गैर-नागरिकों के लिए निर्धारित किया जाए।'' पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने कहा, ''विदेश मंत्रालय के हालिया बयान ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय पासपोर्ट मुख्य रूप से एक 'यात्रा दस्तावेज' है और नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं है। इसने लोगों के बीच भ्रम और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का एक अनुमानित दौर शुरू कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि सरकार इसे पासपोर्ट अधिनियम, 1967 की धारा-20 में निहित एक पुरानी कानूनी स्थिति बताकर इसका बचाव कर रही है, जो तकनीकी रूप से दुर्लभ परिस्थितियों में सार्वजनिक हित में गैर-नागरिकों को भी पासपोर्ट जारी करने की अनुमति देती है, लेकिन आम नागरिक के लिए यह फर्क बेमतलब है।

थरूर का कहना है, ''दशकों से पासपोर्ट को पहचान का सबसे बड़ा मानक माना जाता रहा है। इसे प्राप्त करने के लिए हम पुलिस सत्यापन और दस्तावेजों की कठिन नौकरशाही प्रक्रिया से गुजरते हैं, क्योंकि राज्य इसे जारी करने से पहले नागरिकता के ठोस प्रमाण की मांग करता है।''

विजय ने नशा-विरोधी मैराथन को दिखाई हरी झंडी, प्रतिभागियों के साथ छह किलोमीटर दौड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने शुक्रवार को हजारों प्रतिभागियों के साथ छह किलोमीटर लंबी नशा-विरोधी मैराथन में सक्रिय रूप से दौड़ लगाई।

विजय ने केवल कार्यक्रम को झंडी दिखाकर रवाना करने या औपचारिक रूप से कुछ दूरी तक दौड़ने की परंपरा से अलग हटकर पूरा मार्ग तय किया। एक अधिकारी ने बताया कि 52 वर्षीय विजय खेल परिधान पहनकर चेन्नई के मरीना बीच पर आयोजित इस दौड़ में लगातार पूरे छह किलोमीटर तक दौड़े। सामाजिक उद्देश्य के लिए आम लोगों के साथ इतनी दूरी तक दौड़ने वाले तमिलनाडु के वह पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के मौके पर विजय ने लोगों से नशामुक्त, सुरक्षित और स्वस्थ राज्य के निर्माण के लिए एकजुट होने का आह्वान करते हुए सशक्त संदेश भी दिया।

अधिकारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्रियों को योग, पैदल चलने, जॉगिंग या जिम में व्यायाम करने जैसी फिटनेस गतिविधियों के लिए जाना जाता रहा है, यह पहला मौका है जब किसी मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ ऐसी दौड़ में हिस्सा लिया।

इससे पहले विजय ने 'स्टार्ट रन, स्टॉप ड्रग्स' जागरूकता मैराथन को आधिकारिक रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया और प्रतिभागियों को शपथ दिलाई। इसके बाद तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक विजय मंच से उतरकर उत्साही प्रतिभागियों की जोरदार तालियों और नारों के बीच दौड़ने लगे। यह मैराथन तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण (एसडीएटी) द्वारा आयोजित की गई थी। उनके इस अभूतपूर्व कदम की पूर्व राज्यपाल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने सराहना की।

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''माननीय मुख्यमंत्री विजय को आज बड़ी संख्या में युवाओं के साथ नशा-विरोधी मैराथन में भाग लेते देखना सुखद और सराहनीय है। जब नेता लोगों के साथ चलते, दौड़ते और खड़े होते हैं, तो जागरूकता हर घर तक पहुंचती है। नशे के खिलाफ लड़ाई राजनीति से ऊपर है। आइए, हम सब मिलकर नशामुक्त तमिलनाडु के लिए काम करें।''

कार्यक्रम शुरू होने से पहले विजय ने प्रतिभागियों को शपथ दिलाई, जिसमें उन्होंने नशीले पदार्थों से दूर रहने, अपने परिवार और मित्रों को नशे की लत के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने तथा मादक पदार्थों की लत से जूझ रहे लोगों के पुनर्वास में सहयोग देने का संकल्प लिया। शपथ में तमिलनाडु को नशामुक्त बनाने के लिए सरकार की पहलों का समर्थन करने तथा राज्य के विकास और जनकल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का भी संकल्प शामिल था। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 'प्रतिबद्धता बोर्ड' पर हस्ताक्षर करते हुए लिखा, 'स्पोर्ट्स एडु, ड्रग्स विडु' (खेल अपनाओ, नशा छोड़ो)। लोगों के बीच स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तमिलनाडु के विभिन्न जिलों में भी इसी प्रकार की नशा-विरोधी दौड़ और मिनी मैराथन आयोजित की गईं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने एक सशक्त समाज के निर्माण के लिए रचनात्मक गतिविधियों में युवाओं की भागीदारी, कानूनों के कड़े अनुपालन और सामुदायिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर युवाओं के भविष्य की रक्षा, अपराध की रोकथाम और नशामुक्त तमिलनाडु के निर्माण के लिए नशीले पदार्थों के विनाशकारी प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा, शिक्षा, खेल और कौशल विकास जैसी रचनात्मक गतिविधियों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, कानून का सख्ती से पालन कराने तथा सामूहिक सामुदायिक प्रयासों को बढ़ावा देने के माध्यम से हम नशीले पदार्थों की समस्या का उन्मूलन कर एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, आइए, हम सभी नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों की रोकथाम के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों का समर्थन करें और इस अवसर पर नशामुक्त, सुरक्षित तथा स्वस्थ तमिलनाडु के निर्माण का संकल्प लें।

विकास की अवधारणा में सभ्यतागत और संस्थागत स्मृतियों का संरक्षण भी शामिल : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विकास की अवधारणा में सभ्यतागत और संस्थागत स्मृतियों का संरक्षण भी शामिल है।

उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां जीर्णोद्धार के बाद 190 वर्ष पुराने प्रकाशस्तंभ को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि यह प्रकाशस्तंभ पुडुचेरी के समुद्री इतिहास से जुड़ा हुआ है।

वित्त मंत्री ने कहा कि देश अब 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है और विकास की अवधारणा में सभ्यतागत तथा संस्थागत स्मृतियों का संरक्षण भी शामिल है। नई अवसंरचना के विकास और मौजूदा धरोहरों के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत की सभ्यतागत विरासत अत्यंत प्राचीन है। इसलिए इस विरासत को संरक्षित करना और इसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रकाशस्तंभ के जीर्णोद्धार के लिए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकारी विभाग भी संस्कृति के संरक्षक हैं। इस अवसर पर पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन और मुख्यमंत्री एन. रंगासामी, विधायक विग्नेश कन्नन समेत कई अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

कानपुर और मदुरै के बीच विशेष ट्रेनें

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे ने त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन सं. 01925/01926 कानपुर सेंट्रल-मदुरै-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस की पांच सेवाएं शुरू की है। ट्रेन सं. 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरै एक्सप्रेस यह विशेष ट्रेन बुधवार 1,8,15,22 और 29 जुलाई को कानपुर सेंट्रल से सुबह 8:10 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 7:15 बजे मदुरै पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 01926 मदुरै-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस यह विशेष ट्रेन शनिवार 4, 11, 18, 25 जुलाई और 1 अगस्त को मदुरै से 2:30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 4:30 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी (5 सेवाएं)। इस ट्रेन में 1 एसी टू टियर कोच, 7 एसी थ्री टियर कोच, 8 स्लीपर क्लास कोच, 4 जनरल सेकंड क्लास कोच, 1 सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1 लगेज कम ब्रेक वैन कोच होंगे।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम में लेखा प्रणाली में सुधार के लिए रिपोर्ट तैयार करेगा आईसीएआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/नई दिल्ली/भाषा। देश के चार्टर्ड अकाउंटेंट का शीर्ष निकाय भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने कहा है कि वह तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की लेखा प्रणाली में सुधार के उपायों पर एक रिपोर्ट तैयार करेगा।

आईसीएआई के अध्यक्ष प्रसन्न कुमार डी ने शुक्रवार को कहा कि संस्थान नवीनतम आवश्यकताओं के अनुरूप टीटीडी के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश भी तैयार करेगी। उन्होंने कहा, अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रारंभिक अध्ययन शुरू कर दिया गया है। हमें उम्मीद है कि 100 दिनों के भीतर अध्ययन पूरा कर रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। कुमार ने कहा कि अध्ययन में दान संग्रह, भुगतान, बही खाता सहित लेखा प्रणाली के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए टीटीडी ने ही आईसीएआई से संपर्क किया था।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर का प्रबंधन करने वाले टीटीडी को दुनिया का सबसे समृद्ध हिंदू मंदिर निकाय माना जाता है। आईसीएआई अध्यक्ष ने कहा, इस परियोजना का मूल उद्देश्य मौजूदा लेखा प्रणाली को और बेहतर बनाना है। टीटीडी के पास पहले से ही मजबूत लेखा प्रणाली है और उसका पूरा काम उद्यम संसाधन नियोजन' (ईआरपी) प्रणाली पर संचालित होता है। अब वह इसे और आधुनिक बनाना चाहता है क्योंकि मौजूदा प्रणाली पुरानी हो चुकी है।'

दक्षिण रेलवे महिला मंडल द्वारा किया गया वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे महिला मुख्यालय संगठन (एसआरडब्ल्यूएचक्यूओ) की अध्यक्ष सोनिया सिंह के तत्वावधान में 24 जून को वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम पेरम्बूर स्थित एसआरडब्ल्यूएचक्यूओ द्वारा संचालित आश्रया स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन में आयोजित किया गया था।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दक्षिण रेलवे महिला संगठन की अध्यक्ष सोनिया सिंह ने इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मंडल की उपाध्यक्ष चारू गुप्ता और टीना राजपाल, सचिव, कोषाध्यक्ष हसना मीना और अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। अमरूद, चीकू, मीठा नींबू और अनार जैसे विभिन्न फलों के पौधे लगाए गए। चमेली, मूंगा चमेली और गुड़हल जैसे फूलों के 200 से अधिक पौधे आश्रय के छात्रों और कर्मचारियों को वितरित किए गए, जिसका उद्देश्य वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना, पर्यावरण जागरूकता बढ़ाना और प्रकृति संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना था। एसआरडब्ल्यूएचक्यूओ की अध्यक्ष सोनिया सिंह ने बच्चों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उन्हें दिए गए पौधों की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया। आश्रय स्कूल के विद्यार्थियों ने इस पहल में बड़े उत्साह से भाग लिया और पर्यावरण जागरूकता एवं हरित गतिविधियों को बढ़ावा देने में सक्रिय योगदान दिया। एसआरडब्ल्यूएचक्यूओ द्वारा संचालित ब्लॉसम क्रेच एंड डे केयर सेंटर में भी इसी प्रकार का वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी बच्चों, शिक्षकों और कर्मचारियों को नाश्ता वितरित किया गया।

एसआरडब्ल्यूएचक्यूओ द्वारा संचालित आश्रया स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन के बारे में आश्रय, विशेष बच्चों के लिए एक स्कूल-सह-व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र है, जिसकी स्थापना 8 फरवरी 1993 को हुई थी। यह संस्था छह वर्ष की आयु से बच्चों के लिए एक व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करती है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए स्व-सहायता कौशल, अकादमिक शिक्षा, पूर्व-व्यावसायिक कौशल और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को सचिवालय में इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ बिनोद कुमार, महाप्रबंधक (ग्रामीण बैंकिंग) वी. चंद्रशेखरन, महाप्रबंधक (सरकारी व्यवसाय) पी. अंबु कामराज और प्रधान प्रबंधक डी. राजेश ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय से मुलाकात की।

श्वेत पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को अन्नासलाई के तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के मुख्यालय में ऊर्जा एवं विधि मंत्री सीटीआर निर्मलकुमार ने तमिलनाडु विद्युत बोर्ड की अवसंरचना, मानव संसाधन, रसद, चल रही परियोजनाओं, आय एवं व्यय पर एक विस्तृत श्वेत पत्र जारी किया। इस कार्यक्रम में विद्युत बोर्ड के अतिरिक्त मुख्य सचिव/अध्यक्ष आईएबी जे. राधाकृष्णन, ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव आईएबी अनिल मेश्राम, और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इंडियन बैंक द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देश में मादक पदार्थों के दुरुपयोग और मादक द्रव्यों के खतरे के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए चेन्नई स्थित इंडियन बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में 17 से 26 जून तक चलाए गए राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान 'नशा मुक्त भारत पहल का हिस्सा है।

शपथ ग्रहण समारोह में बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिनोद कुमार कार्यकारी निदेशक आशुतोष चौधरी तथा शिव बजरंग सिंह के मार्गदर्शन में बैंक के सभी मुख्य महाप्रबंधकों, महाप्रबंधकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने नशे से मुक्त रहने का संकल्प लिया।

इसके साथ ही प्रतिभागियों ने आम जनता में जागरूकता फैलाने और एक स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस जागरूकता अभियान के तहत, बैंक कर्मचारियों को मादक पदार्थों के सेवन के दुष्परिणामों के बारे में शिक्षित किया गया और उन्हें नशामुक्त समाज के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया बैंक के अन्य कर्मचारियों को निर्धारित पोर्टल के माध्यम से नशामुक्ति की प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रेरित किया गया इसके साथ ही कार्यालय परिसर के अंदर और आसपास के प्रमुख स्थानों पर नशामुक्त जीवन को बढ़ावा देने वाले जागरूकता संदेशों वाले बैनर भी लगाए गए। इंडियन बैंक नशा मुक्त भारत अभियान में अपनी भागीदारी के माध्यम से, सामाजिक कल्याण और सामुदायिक विकास की दिशा में उन्मुख राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना का शुद्धिपत्र

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 10.07.2026 को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:- **निविदा संख्या:** 06-2026-GSU-BKN, **कार्य का नाम व स्थान:** लालगढ़ (फैज़-II) में कोचिंग मेंटेनेंस सुविधाओं को बढ़ाने के काम के तहत सिविल कार्य, **पूर्व में अनुमानित लागत मूल्य:** Rs. 948267738.01, **संशोधित अनुमानित लागत मूल्य:** Rs. 947701670.91, **पूर्व में बिड सिक्यूरिटी राशि (रूपये):** Rs. 18965400.00, **संशोधित बिड सिक्यूरिटी राशि (रूपये):** Rs. 18954000.00, **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** बोली शुरू होने की तारीख 26.06.2026 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 10.07.2026 को 15:00 बजे तक । नोटः- अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

उप मुख्य इंजीनियर / गति शक्ति, बीकानेर

922-PS/26

ट्रस्ट चलाएगा सुपर-50 कार्यक्रम, प्रत्येक विद्यार्थी पर खर्च होंगे तीन लाख : अर्जुन राम मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बीकानेर जिले के 50 प्रतिभावान और जरूरतमंद युवाओं को करियर चयन में सहायता, संसाधन, मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से 'सुपर-50' कार्यक्रम चलाया जाएगा। इनका चयन एक कमेटी द्वारा किया जाएगा। दसवीं और बारहवीं परीक्षा पास विद्यार्थी, इस योजना के तहत चयनित होंगे जो नीट, यूपीएससी सहित अन्य स्तरीय परीक्षाओं की तैयारी करेंगे। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीकानेर के प्रतिभावान बच्चे अवसर और संसाधनों की कमी के कारण बेहतर करियर से वंचित न रहें, इसके मद्देनजर भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा यह पहल की जा रही है। उन्होंने करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के लिए कमेटी बनाने तथा चयन की कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि करियर की बेहतर राह पर ले जाने के लिए प्रत्येक बच्चे पर 3 लाख रुपए तथा कुल डेढ़ करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रतिभावान बच्चों की संख्या अधिक होने पर इसका दायरा बढ़ाया भी जा सकेगा।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दीपावली के आसपास वृहद करियर और रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में 2000 से अधिक युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर कंपनियों में रोजगार के अवसर मुहैया करवाए जाएंगे। मेघवाल ने भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा लगातार दूसरे वर्ष आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि युवाओं को बेहतर करियर तक पहुंचने में ट्रस्ट सेतु का कार्य कर रहा है।

मेघवाल ने कहा कि आज के दौर में करियर के अनेक विकल्प हैं। युवा, सरकारी नौकरियों के अलावा भी बेहतर भविष्य की राह बढ़ सकते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सर्वश्रेष्ठ विकल्प की ओर बढ़ाने का मार्गदर्शन प्राप्त होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प चुनने तथा चुने हुए लक्ष्य की प्राप्ति के लिए गंभीरता से मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से बच्चों को आगे बढ़ने की सीख दी।

विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने कहा कि युवा असफलता को चुनौती के रूप में लें तथा इससे निराश होने की बजाय अधिक ऊर्जा से आगे बढ़ें। उन्होंने शिक्षा के साथ कौशल क्षमता बढ़ाने का आह्वान किया।

मेघवाल ने बताया कि कार्यक्रम के तहत पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को प्रमाण पत्र, डिक्शनरी तथा प्रोत्साहन स्वरूप 500 रुपए प्रदान किया जा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि बच्चे इस राशि से पुस्तक खरीदें, जो कि उनके लिए उपयोगी साबित हों। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की दूरगामी सोच के तहत प्रारम्भ होने वाला सुपर-50 कार्यक्रम क्षेत्र के युवाओं के लिए वरदान साबित होगा।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री मेघवाल सहित सभी अतिथियों में मां सरस्वती, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा सुभावना मेघवाल के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान अनेक बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर सभी नशे को छोड़ने और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लें। कार्यक्रम के पश्चात मंत्री मेघवाल ने बच्चों के बीच पहुँचकर उनके करियर के बारे में जानकारी ली और उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर बीकाजी के सहयोग से निर्विकल्प फाउंडेशन द्वारा संचालित करियर काउंसलिंग वैन के माध्यम से भी युवाओं को आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

कोटा में मौतों का मामला : दवा वितरक का लाइसेंस रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान औषधि नियंत्रण विभाग ने कोटा के सरकारी अस्पतालों में कथित तौर पर नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की आपूर्ति करने के मामले में एक दवा वितरक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। इन अस्पतालों में मई में सीजेरियन से प्रसव के बाद पांच महिलाओं की मौत हो गई थी। यहां जेके लोन अस्पताल और राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय की सुपर स्पेशियलिटी इकाई में पांच मई से 17 मई के बीच सीजेरियन के जरिये प्रसव के बाद पांच महिलाओं की मौत हो गई थी। स्वास्थ्य अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या इन मौतों में नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की कोई भूमिका थी।

अधिकारियों ने बताया कि सहायक औषधि नियंत्रक देवेंद्र गर्ग ने 23 जून को 'मेसर्स राजस्थान मेडिकल हॉल' नामक कंपनी का थोक ब्रिकी लाइसेंस रद्द कर दिया। यह फैसला इस बात की पुष्टि होने के बाद लिया गया कि वितरक ने कई नियमों का उल्लंघन किया था। उन्होंने बताया कि आदेश में कहा गया है कि अस्पतालों को आपूर्ति किए गए 'टोसिन' ब्रांड के ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के नमूनों की प्रयोगशाला में जांच की गई तो उनमें ऑक्सीटोसिन की मात्रा बिल्कुल ही नहीं पाई गई, जिससे ये इंजेक्शन बेअसर साबित हुए।

विभाग ने कंपनी के खरीद और बिक्री के रिकॉर्ड में भी गड़बड़ियों का जिक्र किया। यह कार्रवाई यहां इंद्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र में वितरक के ठिकाने पर 19 मई को की गई जांच के बाद की गई है। औषधि नियंत्रक अधिकारियों ने बताया कि उन्हें नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन मिले और साथ ही 'औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम एवं विनियम' के कई उल्लंघनों का भी पता चला।

औषधि नियंत्रक विभाग ने अमृतसर की उस दवा कंपनी का विनिर्माण लाइसेंस भी रद्द कर दिया था, जो ये इंजेक्शन बनाती थी। जांच के मुताबिक, वितरक ने अमृतसर की मैसर्स जैक्सन लैबोरेटरीज से इंजेक्शन की 9,300 खुराक खरीदी थीं, लेकिन बिक्री 10,050 खुराक की दर्ज की। अधिकारियों ने कहा कि इंजेक्शन की इन 750 अतिरिक्त खुराक ने इनके स्रोत को लेकर आशंका पैदा की, जिन्हें कथित तौर पर बाजार में उतारा गया था। चिकित्सकों के अनुसार, दर्द शुरू करने और बच्चे के प्रसव के बाद अधिक रक्त स्राव को रोकने के लिए ऑक्सीटोसिन नियमित रूप से दिया जाता है।

राज्यपाल पहुंचे श्याम गौशाला, भागवत कथा में सम्मिलित हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े शुक्रवार को निमेड़ा स्थित श्याम गौशाला पहुंचे। उन्होंने वहां चल रही भागवत कथा सुनी और बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर सबके मंगल की कामना की। राज्यपाल ने गौशाला में गायों को चारा खिलाया और वहां उपस्थित भागवत कथा सुनने वालों से संवाद करते हुए भगवान कृष्ण की लीला और भगवद भक्ति की सनातन भारतीय मूल्यों की उदात्त दृष्टि से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने वहीं पेड़ भी लगाया और वर्षा के मौसम में अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया।

राजस्थान के कई हिस्सों में बारिश, झालावाड़ के अकलेरा में सर्वाधिक वर्षा हुई

जयपुर। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि पश्चिमी राजस्थान के भी कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में सबसे अधिक 51 मिलीमीटर वर्षा झालावाड़ जिले के अकलेरा में दर्ज की गई। विभाग के अनुसार, फलोदी में राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, सबसे अधिक न्यूनतम तापमान भी 31.6 डिग्री सेल्सियस फलोदी में ही रिकॉर्ड किया गया। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस पिलानी में दर्ज किया गया।

लखदातार के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्याम बाबा के अलौकिक श्रृंगार और सजावट ने मोहा मन

खाटूश्यामजी। विश्व विख्यात खाटूधाम में निर्जला एकादशी पर बाबा श्याम का दो दिवसीय मेला गुरुवार से श्रद्धा और भक्ति के माहौल में शुरू हो गया। मेले के पहले दिन ही देशभर से हजारों श्याम भक्त खाटूश्यामजी पहुंचकर बाबा के दर्शन कर रहे हैं। मंदिर परिसर और कस्बा श्याम नाम के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालु रींगस से पदयात्रा कर खाटूधाम पहुंच रहे हैं और बाबा श्याम के दरबार में शीश नवाकर सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

श्याम मंदिर कमेटी की ओर से निर्जला एकादशी पर निज मंदिर को हरियाली एवं विभिन्न प्रकार के आमों से आकर्षक रूप से सजाया गया है। वहीं कोलकाता से मंगवाए गए विशेष फूलों, सतरंगी पुष्पों और ड्राई फ्रूटस से बाबा श्याम का अलौकिक शृंगार किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मेले में उमड़ रही भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने रींगस से खाटूश्यामजी मार्ग को नो व्हीकल जोन घोषित किया है। यह मार्ग केवल पदयात्रियों के लिए आरक्षित रखा गया है।

मुख्य सचिव ने साइबर फ्रॉड से प्रभावित नागरिकों से बात कर उनकी समस्या के समाधान के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) कॉल सेंटर का निरीक्षण कर राजस्थान संपर्क 2.0 के अंतर्गत किए जा रहे तकनीकी सुधारों की समीक्षा और साइबर फ्रॉड से प्रभावित लोगों से बात की। उन्होंने शिकायतों के त्वरित एवं संतुष्टिपरक निस्तारण व आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने साइबर फ्रॉड से प्रभावित नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों के निस्तारण की प्रगति, संबंधित विभागों द्वारा की गई कार्रवाई तथा उपलब्ध कराई जा रही सहायता की जानकारी ली। उन्होंने ऐसे मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करते हुए पीड़ितों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने तथा सम्बंधित विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि राजस्थान संपर्क पोर्टल की तकनीकी कार्यप्रणाली और नवाचारों का अवलोकन करने के लिए आगामी 30 जून को केंद्र सरकार के सचिवों का दौरा प्रस्तावित है। उन्होंने इस दौरे की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने बताया कि राजस्थान संपर्क पोर्टल को राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल काउंसिल ऑफ ई-गवर्नेंस (एनसीजी) के अंतर्गत बेहतरीन गवर्नेंस मॉडल के रूप में प्रदर्शित भी किया जाएगा।

श्रीनिवास ने कहा कि आगामी विजिट और समीक्षा बैठकों में विशेष रूप से भ्रष्टाचार, साइबर अपराध और महिला उत्पीड़न से जुड़े परिवादों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस का उपयोग आमजन की शिकायतों के वर्गीकरण, रूट कॉज एनालिसिस, रियल-टाइम मॉनिटरिंग तथा डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया में किया जाए जिससे शिकायत निवारण प्रक्रिया अधिक स्मार्ट, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित बन सके। उन्होंने अधिकारियों एवं कॉल सेंटर कार्मिकों के नियमित क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि बदलती तकनीकों के अनुरूप दक्षता का निरंतर उन्नयन आवश्यक है।

मुख्य सचिव ने शिकायतों के निस्तारण के उपरांत प्राप्त नागरिक फीडबैक एवं संतुष्टि स्तर की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायत निवारण व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा नागरिकों की संतुष्टि ही सुशासन का सबसे महत्वपूर्ण मानक है। श्रीनिवास ने राजस्थान संपर्क 2.0 के अंतर्गत विकसित की जा रही नई तकनीकों, एआइ आधारित नवाचारों, शिकायतों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग, संतुष्टि मूल्यांकन प्रणाली तथा शिकायत निवारण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। इस दौरान राजस्थान संपर्क पोर्टल एवं संबन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस आज, राजस्थान में पहली बार होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पहली बार अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस (27 जून) पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण, अनुदान और सब्सिडी के 13 करोड़ रुपये से अधिक के डमी चेक प्रदान करेंगे। साथ ही, रीको की योजनाओं के लाभार्थियों को भूमि आवंटन पत्र और ऑफर लेटर भी सौपेंगे। इस दौरान राजस्थान इंडस्ट्रीयल डवलपमेंट पॉलिसी, ओडीओपी कॉफी टेबल बुक और रैम्प (राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस) पोर्टल भी लॉन्च करेंगे।

कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, राज्यमंत्री के. के. विश्नोई, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल और आयुक्त नीलाभ सक्सेना सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

इस दौरान एक जिला एक उत्पाद नीति, विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, एकीकृत कलस्टर विकास योजना, रैम्प और राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन योजना के लाभार्थियों को चेक दिए जाएंगे। साथ ही, रीको की डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी के आवंटन पत्र और ऑफर लेटर भी प्रदान किए जाएंगे। रेंटल पॉलिसी के तहत भी ऑफर लेटर दिए जाएंगे।

कांग्रेस के डीएनए में आरएसएस का विरोध, किरोड़ी लाल मीणा खरे सोने जैसे ईमानदार : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को जोधपुर दौरे के दौरान कांग्रेस पार्टी पर अब तक का सबसे तीखा राजनीतिक हमला बोला है। सर्किट हाउस में मीडियाकर्मियों से मुखातिब होते हुए कैबिनेट मंत्री ने कांग्रेस की नीतियों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ठड्ड) पर उनकी बयानबाजी और कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखी। इसके साथ ही उन्होंने आगामी 4 जुलाई को राजस्थान के इतिहास का सबसे बड़ा दिन करार दिया। मंत्री अविनाश गहलोत ने कांग्रेस की राजनीति की कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए

कहा कि कांग्रेस की नफरत की राजनीति कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह आजादी के पहले के दौर से चली आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस के डीएनए में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (का विरोध शामिल है। अपनी मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति को चमकाने के लिए वह लगातार आरएसएस जैसे देशभक्त संगठन को निशाना बनाती रही है।

संघ का बचाव करते हुए मंत्री ने कहा कि आरएसएस एक वैचारिक संगठन है, जो बिना किसी जातिवाद या भेदभाव के राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के लिए समर्पित है। साल 1925 में अपनी स्थापना से लेकर अब तक देश पर जब भी कोई प्राकृतिक आपदा या संकट आया है, संघ के स्वयंसेवकों ने सबसे आगे बढ़कर राहत और सेवा कार्य किए हैं। उन्होंने तंज कसा कि कांग्रेस धरातल पर काम कम और बयानबाजी ज्यादा करती है।

भ्रष्टाचार के मुद्दों और हाल ही में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा पर कांग्रेस नेताओं द्वारा की गई बयानबाजी पर पलटवार करते हुए अविनाश गहलोत ने उन्हें पूरी तरह पाक-साफ बताया। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा खरे सोने की तरह बेहद ईमानदार और जुझारू नेता हैं, जो आजीवन किसानों और आम जनता के हक में लड़ते आए हैं।

निवेश, नेतृत्व और सम्मान का संगम : भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल राजस्थान का त्रिवेणी आयोजन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल, राजस्थान द्वारा आयोजित 'निवेश प्रोग्राम - चतुर्थ श्रृंखला', नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण तथा सम्मान समारोह भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्योगपतियों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, स्वामी बालमुकुन्दाचार्य उपस्थिति रहे। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू लाल गुप्ता ने बताया नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, उद्योगपतियों, चिकित्सकों और अधिवक्ताओं का सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे सम्मान समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करते हैं तथा सेवा और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने सभी अतिथियों, सम्मानित प्रतिभाओं एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल, राजस्थान व्यापार, उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता देता है। उन्होंने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का विश्वास व्यक्त किया।

राम मंदिर चंदा मामले में गिरफ्तारी के बाद योगी ने कहा- एसआईटी रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देवरिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राम मंदिर में प्राप्त दानराशि के कथित गबन के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट सौंपे जाने के तुरंत बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई, और इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि ''आज मोहर्रम है और कहीं किसी का अता पता नहीं है, अब अस्त्र शस्त्र का कोई प्रदर्शन नहीं कर सकता है। कोई सड़कों पर गुंडागर्दी नहीं कर सकता है। उत्सवपूर्ण माहौल में कोई उपद्रव नहीं कर सकता है और अगर करेगा तो सात पीढ़ियों तक फिर भुगतेगा भी।'' योगी प्रदेश के देवरिया जिले के रुद्रपुर और बरहज विधानसभा क्षेत्रों की 456 करोड़ रुपए की लागत की 106 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे ।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैने 19 जून को अयोध्या में कहा था कि अयोध्या हम सभी की आस्था एवं सनातन धर्म का प्रतीक है। अयोध्या पर बुरी नजर डालने का प्रयास न करें। उन्होंने कहा, ''प्रभु श्रीराम की मर्यादा का पालन करना सीखो। अयोध्या के बारे में जो कतिपय समाचार मिल रहे थे, हमने कहा कि जो एसआईटी गठित की गई है, उसकी रिपोर्ट आने के साथ ही

हमारी कार्रवाई भी शुरु की जाएगी। आपने देखा कि रिपोर्ट आई और तुरंत कार्रवाई शुरू हो गई।''

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अनुरोध पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13 जून को अयोध्या दान राशि के कथित गबन के मामले की जांच के लिए लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी ने जांच के बाद 23 जून को अपना प्रारंभिक प्रतिवेदन सरकार को सौंप दिया। अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से बृहस्पतिवार को आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद सभी नामजद आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। योगी ने कहा, ''मैं आश्वस्त करता हूं कि जैसा मैने कहा था, हम दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि ''जन आस्था के साथ खिलवाड़ स्वीकार नहीं होगा, जो भी खिलवाड़ करेगा वह उसका भुक्तभोगी होगा। किसी को छूट नहीं दी जा सकती है।'' मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों और खासतौर से कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, ''आप सबको, प्रदेशवासियों, सभी रामभक्तों से अपील करना चाहूंगा कि जो लोग आक्षेप करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं, इनकी मंशा अच्छी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''ये वे लोग हैं जो भगवान राम को नकार चुके थे। भगवान राम के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर चुके थे। एक पक्ष कहता था कि राम हुए ही नहीं यानी अयोध्या को भी नकारना चाहते थे। लगातार न्यायालय में मुकदमा लड़ते रहे और वकीलों की फौज राम जन्मभूमि आंदोलन एवं राम मंदिर के खिलाफ खड़ी करते रहे।'' समाजवादी पार्टी का नाम लिए बिना योगी ने कहा, ''दूसरा पक्ष वह है जो जय श्रीराम पर लाठी और गोली चलाते थे। भगवान राम का नाम लेने के बाद जो गोली और लाठी चलवाते थे वे कहते हैं आज आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा है। अब तुम बताओगे हमें आस्था क्या होती है।'' उन्होंने कहा, ''जो रामनवमी पर दंगा करवाते, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को प्रतिबंधित करते और कांवड़ यात्रा नहीं निकलने देते थे, दुर्गा पूजा में दंगा करवाते थे। लार का दंगा सबको याद है, इनके काले कारनामों का चिट्ठा जब खुलता है तो ये कहते हैं कि आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा है।''

त्रिपुरा के किसानों की औसत आय गत 10 साल में दोगुनी हुई : मुख्यमंत्री साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्य में किसानों की औसत मासिक आय 2015-16 के 6,580 रुपए से बढ़कर दोगुनी यानी 13,590 रुपए हो गई है। उन्होंने पश्चिम त्रिपुरा के बामुटिया में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार किसानों के फायदे के लिए गंभीरता से काम कर रही है।

साहा ने कहा, ''हमारी सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों की वजह से त्रिपुरा में एक किसान की आय 2015-16 के 6,580 रुपए से बढ़कर अब 13,590 रुपए मासिक हो गई है।'' उन्होंने दावा किया कि त्रिपुरा में हर साल 12 लाख टन चावल, 364 टन गेहूं और 17,000 टन से अधिक दालों का उत्पादन होता है। साहा ने कहा, '' साल भर हमे भोजन मुहैया कराने वाले किसानों की भलाई के लिए कई कदम उठाए गए हैं। हमारी सरकार ने किसानों से सीधे 23.69 रुपए प्रति किलोग्राम के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की दर से धान की खरीद शुरू की है। इससे बिचौलियों की भूमिका खत्म हो जाती है।'' उन्होंने कहा कि 2018 से अब तक सरकार ने 2,35,356 किसानों से 529.81 करोड़ रुपए में 2,61,227 टन धान की खरीद की है।

नीतीश कुमार के विकास मॉडल को कई राज्यों ने अपनाया : बिजेंद्र प्रसाद यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास और सुशासन का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसे देश के अनेक राज्यों ने अपनाया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार न्याय के साथ विकास की अपनी प्रतिबद्धता को लेकर निरंतर कार्य कर रही है।

यादव ने पटना स्थित जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। बाद में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के प्राचार्य के निलंबन के संबंध में कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनसुलभ बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के पीएमसीएच निरीक्षण के दौरान प्राचार्य अनुपस्थित मिले थे और बाद में यह सूचना मिली थी कि वे अपने निजी क्लीनिक में उस समय मरीज देख रहे थे।

कच्चातीवू को श्रीलंका को सौंपना कांग्रेस शासन का एक और 'ऐतिहासिक काला अध्याय' : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 1974 में श्रीलंका को कच्चातीवू द्वीप सौंपने को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस की आलोचना करते हुए इसे उसके शासनकाल का एक और ''ऐतिहासिक काला अध्याय'' बताया तथा आरोप लगाया कि ऐसा कर भारत के राष्ट्रीय हितों से समझौता किया गया। कच्चातीवू, पाक जलडमरूमध्य में एक निर्जन द्वीप है। भारत ने 1974 में इस द्वीप पर श्रीलंका की संप्रभुता को मान्यता दी थी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ''कल हमने आपातकाल के दुखद अध्याय को याद किया, और आज ही के दिन कांग्रेस पार्टी के इतिहास में एक और काला अध्याय जुड़ा था।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''1974 में इसी दिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने तमिलनाडु के पास स्थित कच्चातीवू को श्रीलंका को सौंप दिया था। इसके परिणामस्वरूप, तमिलनाडु के मछुआरों को लगातार कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।'' उन्होंने द्वीप पर मौजूद सेंट एंथनी चर्च का भी

जिक्र किया और दावा किया कि ''भले ही लोग अपनी नौका पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज लगा रखे हों, लेकिन उन्हें वहां जाने की इजाजत नहीं है।'' त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का भारत के हितों से ''समझौता'' करने का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, ''यह सिलसिला 1947 में देश के बंटवारे और मुस्लिम लीग के आगे कांग्रेस के झुकने के साथ शुरू हुआ। इसके बाद 1948 में पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) को पाकिस्तान को सौंप दिया गया और फिर 1962 में चीन को अक्साई चिन सौंप दिया गया। मानसरोवर के साथ-साथ असम को भी लगभग सौंप ही दिया गया था।''

बाबरी मस्जिद के लिए एकत्र किए गए चंदे का हिसाब क्यों नहीं पूछा जाता : ब्रजेश पाठक

मिर्जापुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर पैदा किया गया विवाद सपा और कांग्रेस की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने सवाल किया कि बाबरी मस्जिद के लिए एकत्र किए गए चंदे का क्या हुआ, इस बारे में कोई सवाल क्यों नहीं उठा रहा है। मिर्जापुर में बातचीत के दौरान राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर पूछे गए एक सवाल से नाराज पाठक ने कहा, ''बाबरी मस्जिद के लिए भी चंदा एकत्र किया गया था। उस पैसे का क्या हुआ, यह कोई नहीं पूछ रहा है। सपा और कांग्रेस केवल तुष्टीकरण की राजनीति कर रही हैं और मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए सनातन धर्म पर हमला कर रही हैं।'' एक दिन पहले, अयोध्या पुलिस ने एसआईटी की सिफारिश पर राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि मामले में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों को नामजद किया है, जबकि वरिष्ठ पदाधिकारियों को बचाया जा रहा है। विपक्ष के इस आरोप पर कि केवल कनिष्ठ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, पाठक ने कहा कि पुलिस निष्पक्ष जांच करेगी और भाजपा की सरकार भ्रष्टाचार को लेकर 'कतई न बर्दाश्त करने' की नीति पर काम करती है।

असम के साथ साझेदारी और मजबूत करेगा जापान : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि जापान ने भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' के तहत पूर्वोत्तर राज्य के साथ अपनी जारी साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता जतायी है। शर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम उनकी भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची से टेलीफोन पर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि इस दौरान दोनों पक्षों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और उद्यमिता जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जतायी।

जापानी राजदूत की यह पुनर्पुष्टि ऐसे समय में आई है जब भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की असम यात्रा उनके व्यस्त कार्यक्रम और अन्य कारणों से रद्द करके उसे नई दिल्ली तक सीमित कर दिया गया। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कल शाम भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची का फोन कॉल आने पर प्रसन्नता हुई। उन्होंने भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' के तहत असम के साथ जापानी सरकार की जारी साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचा, विनिर्माण और उद्यमिता सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और सुदृढ़ करने पर सहमति जतायी। मुख्यमंत्री ने कहा, आने वाले दिनों में असम, जापानी उद्यमों और संस्थानों के साथ जुड़कर निवेश तथा लोगों के लिए आर्थिक अवसरों को बढ़ाने की दिशा में कार्य करने को उत्सुक है। शर्मा ने मंगलवार को कहा था कि यद्यपि ताकाइची की असम यात्रा फिलहाल स्थगित कर दी गई है, लेकिन जापान का एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल उपयुक्त समय पर राज्य का दौरा करेगा। ताकाइची एक से तीन जुलाई तक भारत की यात्रा पर आने वाली हैं।

अपनी तेरहवीं के अगले दिन जिंदा घर लौटा व्यक्ति, पुलिस ने मामले की जांच फिर से शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद में एक व्यक्ति को उसके परिवार ने एक अज्ञात शव की पहचान करने के बाद मृत मान लिया था और उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया था, लेकिन बृहस्पतिवार को तेरहवीं के अगले दिन वह घर लौट आया। अब पुलिस को मामले की जांच फिर से शुरू करनी पड़ी है।

पुलिस के मुताबिक, वैशाली के कल्पना अपार्टमेंट के निवासी गिरधर सिंह बिष्ट को 16 मई को कुछ स्थानीय दुकानदारों के साथ

विवाद के बाद शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और जेल भेज दिया गया था।

बिष्ट 21 मई को जमानत पर डासना जेल से रिहा हुआ लेकिन घर नहीं लौटा। काफी खोजबीन करने के बाद जब उसका पता नहीं चला तो उसके परिवार ने मसूरी थाने में गुमशुदगी की

ओडिशा में पाठ्यपुस्तकों में बड़े पैमाने पर त्रुटियां मिलने पर चार वरिष्ठ अधिकारी निलंबित

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पहली से आठवीं कक्षाओं तक की नई प्रकाशित पाठ्यपुस्तकों में बड़े पैमाने पर त्रुटियां पाये जाने के बाद शुक्रवार को शिक्षक शिक्षा निदेशालय और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के पूर्व निदेशक समेत चार वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

विकास आयुक्त डी के सिंह की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। निलंबित अधिकारियों में शिक्षक शिक्षा निदेशालय एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के पूर्व निदेशक मनोज पाढ़ी के अलावा सहायक निदेशक पद पर कार्यरत प्रलिप्ता मिश्रा, दिलीप कुमार साहू और भारती टुडु शामिल हैं।

महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को लेकर भारत प्रतिबद्ध : अन्नपूर्णा देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को कहा कि महिलायें विकास की सबसे मजबूत प्रेरक शक्तियों में शामिल हैं। अन्नपूर्णा ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) महिला मंच में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय मंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से मंच को संबोधित करते हुए एससीओ के आपसी सम्मान, समानता और आम सहमति के सिद्धांतों तथा साझा विकास लक्ष्यों के लिए सहयोग को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का

उल्लेख भी किया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आज किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित एससीओ महिला मंच-2026 को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया और शंघाई सहयोग संगठन, उसके आपसी सम्मान, समानता और आम सहमति के सिद्धांतों के साथ-साथ साझेदारी को मजबूत करने तथा संगठन के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।'' बयान में कहा गया है, ''आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका'' विषय पर आयोजित परिचर्चा में भारत की ओर से शुरुआती वक्तव्य देते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं केवल विकास की लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि उसकी सबसे शक्तिशाली प्रेरक शक्तियों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि यही भारत के महिला नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य का सार है।

मंत्री का कहना था कि भारत में करीब 10 करोड़ महिलाएं 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी हुई हैं, जिनमें से तीन करोड़ से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' के रूप में नामित किया गया है।

ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए रखना उचित नहीं : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि ग्राम प्रधानों या ग्राम पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक के रूप में आगे काम करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार से राज्य में पंचायत चुनाव कराने के लिए समयसीमा बताने को कहा है।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन ने अरविंद राठौर की ओर से दाखिल याचिका पर यह आदेश पारित किया। राठौर ने 25 मई के शासनादेश और उसके अगले दिन जारी संबंधित आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। शासनादेश के तहत पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुके ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत से यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि राज्य निर्वाचन आयोग संविधान के अनुच्छेद 243ई और 243के के अनिवार्य प्रावधानों के तहत तीन स्तरीय पंचायत चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए विस्तृत और समयबद्ध कार्यक्रम रिकॉर्ड पर रखे। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि संबंधित आदेश उत्तर प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1947 की धारा 12(3-ए) के तहत जारी किए गए हैं।

राम मंदिर चढ़ावे मामले से जुड़ी प्राथमिकी 'धोखा', बड़े लोगों को बचाया जा रहा : अरविंद केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन और आभूषणों की चोरी के मामले में दर्ज प्राथमिकी को 'धोखा' करार देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि इस मामले में प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

केजरीवाल ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर में 'महाडकैती' हुई है और कथित गबन में शामिल बड़े लोगों को बचाया जा रहा है। इससे पहले, हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद आप के राज्यसभा सदस्य एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के साथ मौजूद केजरीवाल ने कहा

कि उन्होंने सभी की भलाई और खुशहाली के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में केवल छोटे कर्मचारियों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि 'बड़े लोगों' को बचाया जा रहा है।

केजरीवाल ने कहा, ''आज मैंने सभी की खुशी और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। मैंने राम मंदिर में दान के कथित गबन, बड़े घोटाले और भगवान को चढ़ाए गए सोने-चांदी के आभूषणों की चोरी के संबंध में प्रार्थना की कि जो भी इस महापाप का दोषी है, उसे भगवान कड़ी से कड़ी सजा दें।'' अयोध्या की पुलिस द्वारा बृहस्पतिवार शाम दर्ज की गई प्राथमिकी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल दिखावा है।

आप संयोजक ने कहा कि मामले में आठ छोटे कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि इतने लंबे समय तक ऐसा काम अकेले छोटे कर्मचारी नहीं कर सकते। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि कथित घोटाले के तार ''बहुत ऊपर तक जुड़े हैं'' और बड़े लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सारा दोष छोटे कर्मचारियों पर डाला जा रहा है।

अयोध्या में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल ने कहा, ''भगवान राम के घर में बड़ी डकैती हुई है। उनके गहने, मालाएं, खड़ाऊं, सोना-चांदी, हीरे-जवाहरात, करोड़ों-अरबों रुपए नकद और भक्तों द्वारा चढ़ाई गई अन्य वस्तुएं चोरी की गई हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि इस कथित चोरी में 'बहुत शक्तिशाली लोग' शामिल हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों की भगवान राम में आस्था है और इस घटना से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि मामले में जिन लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए, वही जांच को नियंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) और दर्ज प्राथमिकी में केवल आठ छोटे कर्मचारियों को आरोपी बनाया गया है, जबकि किसी बड़े नाम को शामिल नहीं किया गया है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी मीराबाई चानू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रमंडल खेलों की दो बार की चैंपियन मीराबाई चानू 23 जुलाई से ग्लासगो में शुरू होने वाले इन खेलों में भारोत्तोलन में फिर से भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक तीन पदक (दो स्वर्ण और एक रजत) जीत चुकी चानू महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

उनके साथ मणिपुर की ही भारोत्तोलक बिंद्यारानी देवी (58 किलोग्राम) और पंजाब की हरजिंदर कौर (69 किलोग्राम) भी टीम में शामिल हैं, जिन्होंने 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीते थे। पुरुषों में बर्मिंघम में कांस्य पदक विजेता लवप्रीत सिंह (110 किलोग्राम से अधिक) भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार भाग लेने वाले ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), अजय बाबू (79 किलोग्राम) और दिलबाग सिंह (94

किलोग्राम) भी शामिल हैं। भारोत्तोलन प्रतियोगिताएं 26 से 30 जुलाई तक एसईसी आर्माडिलो में आयोजित की जाएंगी। भारतीय टीम रविवार को बर्मिंघम के लिए रवाना होगी जहां अनुकूलन शिविर में हिस्सा लेगी। इसके बाद टीम 23 जुलाई को ग्लासगो के लिए रवाना होगी। भारत ने 2018 और 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। उसने 2018 में गोल्ड कोस्ट में खेले राष्ट्रमंडल खेलों में पांच स्वर्ण सहित नौ पदक जीते और फिर 2022 में बर्मिंघम में तीन स्वर्ण सहित 10 पदक झोली में डाले। भारतीय टीम इस प्रकार है:- **महिला:** मीराबाई चानू (48 किग्रा), ज्ञानेश्वरी यादव (53 किग्रा), बिंद्यारानी देवी (58 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), संजना (77 किग्रा), मार्तिना देवी (86 किग्रा से अधिक)। **पुरुष:** ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), एम राजा (65 किग्रा), अजय बाबू (79 किग्रा), दिलबग सिंह (94 किग्रा), लवप्रीत (110 किग्रा से अधिक)।

सुविचार

असफलता केवल यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केतन हत्याकांडः कहां जा रहा समाज?

पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड ने जनमानस को झकझोर दिया है। इस मामले ने फिर एक बार यह सवाल खड़ा कर दिया है- आखिर हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है? इस हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल, जो केतन की मंगेतर थी, के बारे में हो रहे खुलासे हैरान करने वाले हैं। वह अपने कथित प्रेमी चेतन चौधरी के साथ पिछले छह महीनों से लगातार संपर्क में थी। जब पुलिस ने अपनी जांच का दायरा बढ़ाया तो पता चला कि दोनों ने एक-दूसरे को 2,004 बार फोन किए थे और कुल 238 घंटे बातचीत की थी। इतनी लंबी बातचीत को सामान्य घटना नहीं माना जा सकता है, खासकर तब, जब सिया की केतन के साथ सगाई हो चुकी थी। जो दो नावों पर सवार होता है, वह डूबता ही है। ऐसे मामलों में परिवार की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण हो जाती है। लड़का हो या लड़की, दोनों की सहमति लेना बहुत जरूरी है। अगर रिश्ता कहीं और हो रहा हो, मन कहीं और भटक रहा हो, तो परिवार के साथ खुलकर बात करें। अगर उस रिश्ते को हृदय से स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं तो बेहतर होगा कि इस दिशा में आगे न बढ़ें। किसी इन्सान को हमसफ़र नहीं बनाना चाहते हैं तो साफ कह देना चाहिए। सिया गोयल को केतन पसंद नहीं था तो परिवार के सामने रिश्ते के लिए 'हां' बोलने और सोशल मीडिया पर झूठे प्रेम का नाटक करने की क्या जरूरत थी? अगर यह युवती पहले ही मना कर देती तो केतन आज जिंदा होता। यह सिर्फ एक मामला नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में ही ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। कहीं हनीमून पर हत्या हो रही है। कहीं नीले ड्रम में लाश छिपाई जा रही है। कहीं हत्या पर पर्दा डालने के लिए फिल्मों और वेब सीरीजों से सीख ली जा रही है।

हमारे महान ऋषियों ने विवाह को एक पवित्र संस्कार माना था। आज कुछ लोगों ने दिखावेबाजी और अतिमहत्वाकांक्षा के फेर में पड़कर उसे कैसा रूप दे दिया? केतन हत्याकांड ने बेंगलूरु के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष के मामले की यादें ताजा कर दी हैं। अतुल विवाहित थे। उनके तलाक का मुकदमा चल रहा था। उन्होंने कई लोगों पर गंभीर आरोप लगाकर भयानक कदम उठाया था। उसके बाद सोशल मीडिया पर हजारों युवाओं ने टिप्पणियां की थीं कि उनका विवाह से विश्वास उठता जा रहा है। अब केतन अग्रवाल से संबंधित खबरों पर आ रहीं टिप्पणियां पढ़िए। देश का युवा क्या कह रहा है? वह उन्हीं बातों को और ज्यादा दृढ़ता से दोहरा रहा है। ऐसे कई युवा हैं, जो उच्च शिक्षित हैं, अच्छी कमाई कर रहे हैं, लेकिन आए दिन ऐसी खबरें पढ़कर विवाह नहीं करना चाहते हैं। भारत की कुल आबादी में ऐसे युवाओं का आंकड़ा अभी कम लग सकता है। ध्यान रखें, अगर ऐसे चार-पांच मामले और आ गए तो उक्त आंकड़ा बढ़ सकता है। इससे भविष्य में कई सामाजिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। अगर यह चलन बढ़ता रहा तो परिवार टूट सकते हैं, अकेलापन बढ़ सकता है। इसे यह कहकर खारिज नहीं कर सकते कि ऐसा नहीं हो सकता है। जापान में ऐसा हो रहा है। हालांकि वहां युवाओं के विवाह न करने के कारण थोड़े अलग हैं। जापानी युवा अकेलेपन के शिकार हो रहे हैं। इससे कई मानसिक समस्याएं पैदा हो रही हैं। भारत में ऐसा न हो, इसके लिए सरकार को कुछ कानूनी सुधार करने होंगे। विवाह को आसान बनाएं। इसमें आ रहीं जटिलताओं को दूर करें। जो लोग रिश्तों के नाम पर भयानक अपराध करते हैं, उन्हें कठोर दंड मिलना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती पर उन्हें सादर नमन! वे सामाजिक न्याय और समानता के पक्के समर्थक थे। उन्होंने अपना जीवन वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनके महान कार्य और आदर्श आने वाले युगों तक देश का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

-नरेन्द्र मोदी

एसएमएस हॉस्पिटल से यह खबर बहुत परेशान करने वाली और बुरी है। नेफ्रोलॉजी यूनिट के हेड के रिटायर होने के बाद से, एक महीने से भी कम समय से कमरे पर ताला लटका हुआ है, जिसके कारण किडनी ट्रांसप्लांट का इंतज़ार कर रहे 11 मरीज़ों की फाइलें अंदर फंसी हुई हैं।

-अशोक गहलोत

भारत की एक बड़ी आर्थिक ताकत के तौर पर, हमारे कर्नाटक ने अपनी जगह और मज़बूत की है। इसने देश के कुल जीएसटी कलेक्शन में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य होने का गौरव हासिल किया है। कर्नाटक ने जीएसटी कलेक्शन की ग्रोथ रेट में भी टॉप रैंक बनाए रखा है।

-डीके शिवकुमार

प्रेरक प्रसंग

पुत्र का धर्म

मुगल सम्राट शाहजहां के पुत्र औरंगज़ेब ने सत्ता प्राप्त करने के बाद उन्हें आगरा के किले में नजरबंद कर दिया, तब शाहजहां को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कहा जाता है कि कैद के दौरान उन्हें प्रतिदिन एक टूटी हुई सुराही में पानी दिया जाता था। सुराही से पानी रास्ते में ही बह जाता था, जिसके कारण उन्हें पर्याप्त जल नहीं मिल पाता था और वे अक्सर प्यासे रह जाते थे। एक दिन उन्होंने अधिक पानी की व्यवस्था करने का अनुरोध किया, किन्तु औरंगज़ेब ने उनकी प्रार्थना स्वीकार नहीं की। पुत्र के इस व्यवहार से दुखी होकर शाहजहां ने फ़ारसी भाषा में एक मार्मिक संदेश लिखा 'हे पुत्र! तू बड़ा विचित्र मुसलमान है, जो अपने जीवित पिता को पानी के लिए तरसा रहा है। धन्य हैं वे हिंदू, जो अपने दिवंगत पूर्वजों को भी श्रद्धापूर्वक जल अर्पित करते हैं अर्थात तर्पण करते हैं'। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि माता-पिता का सम्मान, सेवा व आदर संतान का सर्वोच्च कर्तव्य है। धर्म, जाति और सम्प्रदाय से ऊपर उठकर अपने माता-पिता के प्रति प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करना ही सच्ची मानवता है।

सामयिक

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

> पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं।

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है। राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना।

पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं। भौतिकता, उपभोक्तावाद और अंधी प्रतिस्पर्धा की आंधी ने संयम, सादगी, त्याग और पारिवारिक मर्यादाओं जैसे जीवन-मूल्यों को हाशिए पर धकेल दिया है। वहीं नशे का बढ़ता प्रचलन, शराब और मादक पदार्थों की लत युवा पीढ़ी को परिवार और समाज से काटकर हिंसा, अपराध और संवेदनहीनता की ओर ले जा रही है। जब समाज में व्यक्ति अपने स्वार्थ, वासना और तात्कालिक सुख को ही सर्वोच्च मानने लगे, तब रिश्ते साधना नहीं, सौदे बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि परिवार, शिक्षा, धर्म, मीडिया और शासन-सभी मिलकर मानवीय मूल्यों, पारदर्शिता, संवाद, नैतिकता और पारस्परिक सम्मान की संस्कृति को पुनर्जीवित करें। क्योंकि यदि मानवीय रिश्तों की बुनियाद ही हिल गई, तो न केवल परिवार टूटेंगे, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सभ्यता का पूरा ढांचा भी संकट में पड़ जाएगा।

नजरिया

एक चेतावनी है वेनेजुएला का भूकंप

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में एक मिनट के अंतराल पर आए दो षक्तिषाली भूकंपों ने बड़ी ताबाही मचा दी है। 24 जून 2026 को शाम को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले भूकंपों ने पूरे देश की बुनियाद को हिला दिया है। इसे वेनेजुएला का एक सदी में आए सबसे ज्यादा विनाशकारी भूकंप का दर्जा दिया गया है। इस शक्तिशाली भूकंप के प्रभाव से राजधानी कराकस और उसके आसपास की सैंकड़ों इमारतें कंक्रीट और स्टील के मलबे में बदल गई। 188 लोगों की मृत्यु हो गईं और हजारों लोग मलबे में दबे हुए हैं। यूएस भूगर्भीय सर्वेक्षण में कहा गया है कि आशंका है कि 10,000 से भी अधिक लोग इस विनाशलीला में समा गए हो? 7.2 तीव्रता का पहला भूकंप कैरिबियन तट पर मोरोन के पश्चिम में आया। राजधानी कराकस से करीब 170 किमी की दूरी पर यह स्थल है। भूकंप का केंद्र धरती से 22 किमी नीचे था। ठीक एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया, यह धरती की 10 किमी गहराई से उभरा था। यह जगह मोरोन से 16 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। चूंकि यह भूकंप छुट्टी के दिन आया था, इस कारण ज्यादातर लोग बहुमंजिला इमारतों के घरों में थे। इस कारण मौतों का अनुमान 10,000 तक लगाया जा रहा है। इसकी आशंका इसलिए की जा रही है, क्योंकि गुमशुदा लोगों की जानकारी के लिए बनाई गई वेबसाइट पर 66 हजार से भी अधिक लापता लोगों की सूची सामने आ गई। इस भूकंप के झटके जापान और नेपाल में भी दर्ज किए गए हैं।

उथले भूकंप गर्भ से भूमि की सतह पर फूटने के साथ भीषण बर्बादी का कारण बनते हैं। वेनेजुएला का भूकंप 10 और 22 किमी की गहराई से फूटे इसलिए नुकसान ज्यादा होने की आशंका है। भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भू-गर्भ में हो रही दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं। क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, अफगानिस्तान, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं। इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों असफल हैं ? जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं। अमेरिका एवं भारत समेत अनेक देष मौसम व भू-गर्भीय हलचल की जानकारी देने वाले सैंकड़ों उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर चुके हैं। हिंदूकुश क्षेत्र में आया यह भूकंप भारत के लिए भी चेतावनी हैं। लेकिन ये उपग्रह 2025 में आए अफगानिस्तान के भूकंप की तरंगों को नहीं पकड़ पाए थे।

दरअसल दुनिया के नामचीन विषेशज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में मानवीय हस्तक्षेप शामिल है। इसीलिए इस भूकंप को स्थानीय भू-गर्भीय विविधता का कारण माना गया है। दरअसल प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृषठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका बनी रहती थी, लेकिन अब यह घटकर 4 साल हो गई है। यही नहीं आए भूकंपों का वैज्ञानिक आकलन करने से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हुई है। 25 अप्रैल 2015 को नेपाल में जो भूकंप आया था, उनसे 20 थर्मोन्यूक्लियर हाइड्रोजन बमों के बराबर ऊर्जा निकली थी। यहां हुआ प्रत्येक विस्फोट हिरोशिमा-नागासाकी में गिराए गए परमाणु बमों से भी कई गुना ज्यादा ताकतवर था। जापान और फिर क्वोटो में आए सिलसिलेवार भूकंपों से पता चला है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए अधिक खतरनाक साबित हो रही हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि रासायनिक क्रियाओं के कारण भी भूकंप आते हैं। भूकंपों की उत्पत्ति धरती की सतह से 30 से 100 किमी भीतर होती है। इससे यह वैज्ञानिक धारणा भी बदल रही है कि भूकंप की विनाशकारी तरंगें जमीन से कम से कम 30 किमी नीचे से चलती हैं। ये तरंगे जितनी कम गहराई से उठेंगी, उतनी तबाही भी ज्यादा होगी और भूकंप का प्रभाव भी कहीं अधिक बड़े क्षेत्र में दिखाई देगा। लगता है अब कम गहराई के भूकंपों का दौर चल पड़ा है। मैक्सिको में सितंबर 2017 में आया भूकंप धरती की सतह से महज 40 किमी नीचे से उठा था। इसलिए इसने भयंकर तबाही का तांडव रचा था। तिब्बत में आए भूकंप की गहराई तो मात्र 10 किमी आंकी गई है,अफगानिस्तान का भूकंप मात्र 8 से 10 किमी की गहराई से उठा था, और अब वेनेजुएला में आया भूकंप भी 10 किमी की गहराई से फूटा है।

दरअसल सतह के नीचे धरती की परत ठंडी होने व कम दबाव के कारण कमजोर पड़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब चट्टानें दरकती हैं तो भूकंप आता है। कुछ भूकंप धरती की सतह से 100 से 650 किमी के नीचे से भी आते हैं, लेकिन तीव्रता धरती की सतह पर आते-आते कम हो जाती है, इसलिए बड़े रूप में त्रासदी नहीं झेलनी पड़ती। दरअसल इतनी गहराई में धरती इतनी गर्म होती है कि एक तरह से वह द्रव रूप में बदल जाती है। इसलिए इसके झटकों का असर धरती पर कम ही दिखाई देता है। बावजूद इन भूकंपों से ऊर्जा बड़ी मात्रा में निकलती है। धरती की इतनी गहराई से प्रगट हुआ सबसे बड़ा भूकंप 1994 में बोलिविया में रिकॉर्ड किया गया है। पृथ्वी की सतह से 600 किमी भीतर दर्ज इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.3 मापी गई थी। इसीलिए यह मान्यता बनी है कि इतनी गहराई से चले भूकंप धरती पर तबाही मचाने में कामयाब नहीं हो सकते हैं, क्योंकि चट्टानें तरल द्रव्य के रूप में बदल जाती हैं। लेकिन कम गहराई से फूटने वाले भूकंप बर्बादी का जलजला धरती पर परोस देते हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मनी लॉन्ड्रिंग केस : जैकलीन फर्नांडीज ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ली अपनी याचिका

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज से जुड़े 200 करोड़ रुपए के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। अभिनेत्री ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका वापस ले ली है। सुप्रीम कोर्ट ने भी उन्हें यह याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी है। यह पूरा मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है और इसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। जानकारी के अनुसार, जैकलीन फर्नांडीज ने पहले दिल्ली की ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय करने के निर्देश दिए गए थे। इसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन अब उन्होंने अपनी याचिका वापस लेने का फैसला किया है। अदालत में उनके वकील ने यह दलील दी कि वे इस मामले में आगे उचित कानूनी उपाय अपनाना चाहते हैं, इसलिए याचिका को वापस लेने की अनुमति दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी।

दरअसल, 30 मई को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने ईडी द्वारा पेश किए गए सबूतों के आधार पर जैकलीन फर्नांडीज, कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर, उसकी पत्नी लीना पॉलोस और 14 अन्य लोगों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था।इस मामले में जांच एजेंसियों का आरोप है कि सुकेश चंद्रशेखर ने खुद को सरकारी मंत्रालयों का बड़ा अधिकारी बताकर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी की। इस कथित ठगी की रकम लगभग 200 करोड़ रुपए बताई जाती है।ईडी की जांच में यह दावा किया गया है कि इस अवैध कमाई का एक हिस्सा महंगे गिफ्ट्स और लग्जरी सामान पर खर्च किया गया। एजेंसी का कहना है कि जैकलीन फर्नांडीज को भी इस नेटवर्क से जुड़े महंगे गिफ्ट्स मिले थे, जो कथित तौर पर अपराध से अर्जित पैसों से खरीदे गए थे। इन उपहारों में लग्जरी कारें, ब्रांडेड सामान, ज्वेलरी और अन्य कीमती चीजें शामिल हैं। वहीं, जैकलीन फर्नांडीज की कानूनी टीम लगातार यह कहती रही है कि अभिनेत्री इस मामले में पूरी तरह निर्दोष हैं। उनके वकीलों का कहना है कि उन्हें सुकेश चंद्रशेखर की आपराधिक गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं थी और वह खुद इस धोखाधड़ी का शिकार बनीं।

आपातकाल के खिलाफ संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानी स्वतंत्रता सेनानियों के समान : मोहन यादव

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आपातकाल के खिलाफ आवाज उठाने वालों की तुलना स्वतंत्रता सेनानियों से करते हुए शुक्रवार को कहा कि उन्हीं के संघर्ष के कारण आज देश में लोकतंत्र सुरक्षित है और एक गरीब परिवार से निकला व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बन सका है।

भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन को संबोधित करते हुए यादव ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की चौथी पीढ़ी आज राजनीति में है, लेकिन विचारधारा और नीतियों में कांग्रेस न तब बदली थी और न अब बदली है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''लोकतंत्र सेनानियों की लड़ाई स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई के समान है। उनके संघर्ष के कारण आज लोकतंत्र सुरक्षित है। इसी वजह से गरीब परिवार से निकला हुआ व्यक्ति आज देश का प्रधानमंत्री है। मुझे गर्व है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है।'' उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू किया था। इस दौरान कई नेताओं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को जेल भेजा गया था तथा प्रेस की स्वतंत्रता पर भी प्रतिबंध लगाए गए थे।

केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश में आपातकाल लगाए जाने की बरसी को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाती है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया। उन्होंने आपातकाल के दौरान संघर्ष करने वाले 96 वर्षीय लक्ष्मी नारायण पाटीदार, 95 वर्षीय शांति लाल संघवी और पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता का अभिनंदन किया। मोहन यादव ने कहा, हमारे देश के आजाद होने के बाद कई राष्ट्र आजाद हुए। जापान तो द्वितीय विश्वयुद्ध में करीब-करीब खत्म हो गया था, लेकिन वो देश आज कहां हैं और हमारा देश कहां है। उन्होंने कहा, इंदिरा गांधी की आज चौथी पीढ़ी मैदान में हैं, लेकिन विचारधारा और नीति में कांग्रेस न तब सुधरी थी, न अब सुधरी है। यादव ने कहा कि आपातकाल के दौरान चुनौती भरा माहौल था जब घर के मुखिया को उठाकर सीधे जेल में बंद कर दिया जाता था। उन्होंने कहा, इसके बाद न वकील, न अपील, न दलील। किसी को कुछ पता नहीं होता था कि क्या होगा। बच्चे स्कूल कैसे जाएंगे, कौन घर देखेगा, कौन फीस भरेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मीसाबंदियों से कहा जाता था कि कांग्रेस में शामिल हो जाओ, इंदिरा की जय-जयकार करो तो छोड़ देंगे। यादव ने कहा कि आज भारत देश प्रगति कर रहा है जबकि साथ ही आजाद हुए पाकिस्तान में लोकतंत्र बेहाल है। उन्होंने कहा, आज के समय में लोकंतत्र की मशाल को जलाए रखना, हमारे लिए जरूरी है। कांग्रेसी हाथ में संविधान की किताब लेकर बात करते हैं, लेकिन संविधान का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किसी ने किया है, तो वो कांग्रेस ही है। उनकी पांच पीढ़ियों ने दुरुपयोग किया है।

महंगे नवीनीकरण के बाद भी बकिंघम पैलेस में नहीं रहेंगे महाराज चार्ल्स तृतीय

लंदन/एपी

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय बकिंघम पैलेस के 10 वर्षों तक 36.9 करोड़ पाउंड (लगभग 48.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के व्यापक नवीनीकरण कार्यक्रम के पूरा होने के बाद भी वहां स्थायी रूप से नहीं रहेंगे।राजशाही का मानना है कि इस ऐतिहासिक भवन को आम जनता के लिए अधिक सुलभ बनाया जाना चाहिए।हालांकि, शाही अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला बकिंघम पैलेस से अपने आधिकारिक कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह महल आगे भी राजशाही का ''औपचारिक और प्रशासनिक केंद्र'' बना रहेगा, लेकिन चार्ल्स के पूरे शासनकाल के दौरान महाराजा और महारानी (बकिंघम पैलेस के) निकट स्थित क्लेरेंस हाउस में निवास करेंगे। महाराजा के वित्तीय मामलों की देखरेख करने वाले वरिष्ठ शाही अधिकारी जेम्स चाल्मर्स ने कहा, ''बकिंघम पैलेस राजशाही का मुख्यालय है और आगे भी बना रहेगा। यह हमारे राष्ट्रीय भवनों का सबसे अनमोल रत्न है।''इस निर्णय की घोषणा बृहस्पतिवार को शाही वित्तीय मामलों पर आयोजित एक ब्रीफिंग के दौरान की गई। इसी अवसर पर किंग चार्ल्स देश के पहले ऐसे सम्राट भी बने, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से यह जानकारी दी कि उन्होंने सरकार को कितना कर अदा किया।

वित्त वर्ष 2024-25 में किंग चार्ल्स ने आयकर और पूंजीगत लाभ कर के रूप में 1.29 करोड़ पाउंड (करीब 1.61 करोड़ अमेरिकी डॉलर) का भुगतान किया, जबकि पिछले वर्ष उन्होंने 1.17 करोड़ पाउंड कर चुकाया था। ये घोषणाएं ऐसे समय में की गई हैं, जब ब्रिटिश शाही परिवार हाल के महीनों में लगातार सुर्खियों में रही उन खबरों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है, जिनमें दोषी करार दिए जा चुके यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन और पूर्व शहजादे प्रिंस एंड्रयू (अब एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर) के संबंधों का उल्लेख किया गया था। प्रिंस एंड्रयू से जुड़े विवादों ने किंग चार्ल्स के उन प्रयासों पर असर डाला है, जिनके तहत वह एक हजार वर्ष पुरानी ब्रिटिश राजशाही को आधुनिक और समयानुकूल बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रदर्शन

उत्तराखंड के देहरादून जिले में शुक्रवार को 16 जून के कर्णप्रयाग झड़प मामले में गिरफ्तार चार निहंग सिखों की रिहाई की मांग को लेकर मार्च के दौरान पुलिसकर्मियों ने कुल्हाल सीमा पर निहंग सिख समुदाय के सदस्यों को रोका। कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच बातचीत के बाद प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया गया।

भगवान जगन्नाथ पर बनी फिल्म 'काल्पनिक' कहानी दिखाती है, विशेषज्ञों की राय लेना जरूरी : मंदिर प्रबंधन

भुवनेश्वर/भाषा। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के अधिकारियों ने भगवान जगन्नाथ पर आधारित एक एनिमेशन फिल्म का प्रदर्शन टालने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म की कहानी काल्पनिक कथाओं पर आधारित है और धार्मिक ग्रंथों में दिए गए विवरण के विपरीत है, जिसके चलते इसे विचार के लिए विशेषज्ञों के पास भेजा जाना जरूरी है।

फिल्म का प्रदर्शन टालने की मांग पुरी के गजपति महाराजा और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति (एसजेटीएमसी) के अध्यक्ष दिब्यसिंह देब ने की। एसजेटीएमसी 12वीं सदी में निर्मित पुरी जगन्नाथ मंदिर की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। एनिमेशन फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' भगवान जगन्नाथ की सालाना रथ यात्रा से छह दिन पहले 10 जुलाई को रिलीज होने वाली है। देब ने कहा, फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया चुका है और इसे सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर साझा किया जा रहा है। ट्रेलर में श्री जगन्नाथ महाप्रभु की पूरी तरह से काल्पनिक कहानी दिखाई गई है। यह कहानी हमारे धर्मग्रंथों में बताई गई पवित्र कथाओं के विपरीत है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की महिमा का कोई भी प्रचार-प्रसार धार्मिक ग्रंथों में दिए गए विवरण के अनुरूप होना चाहिए, खासकर उन ग्रंथों के, जिनकी रचना महर्षि वेदव्यास ने की है।

वेदव्यास ने विशाल वैदिक ज्ञान और पुराणों को व्यवस्थित और लिपिबद्ध किया। इन ग्रंथों में उन्होंने भगवान जगन्नाथ को भगवान कृष्ण के परम और सुलभ स्वरूप के रूप में वर्णित किया।

देब ने कहा कि महाप्रभु को गलत और मनगढ़ंत तरीके से पेश किए जाने से दुनियाभर के अनगिनत भक्तों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, इसलिए मैं फिल्म की निर्माता कंपनी- भुवनेश्वर स्थित 'एले एनिमेशन्स प्राइवेट लिमिटेड' से अपील करता हूं कि वह 'महाप्रभु जगन्नाथ' को सिनेमाघरों या सोशल मीडिया मंचों पर तब तक रिलीज न करे, जब तक कि श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन की ओर से नियुक्त विशेषज्ञ इसकी कहानी को सत्यापित न कर दें। एजेटीए एसजेटीएमसी के तहत मुख्य समितियों में से एक है। 'महाप्रभु जगन्नाथ' के निर्माताओं ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

टेलीविजन श्रृंखला और रियलिटी शो स्टार सारा और अरफीन खान गमुंबई में आईफा कॉन्क्लेव में शामिल होते हुए।

'सुपर सुब्बू' में ह्यूमर और सच्ची मानवीय भावनाओं का बेहतरीन संतुलन है : मिथिला पालकर

मुंबई/एजेन्सी

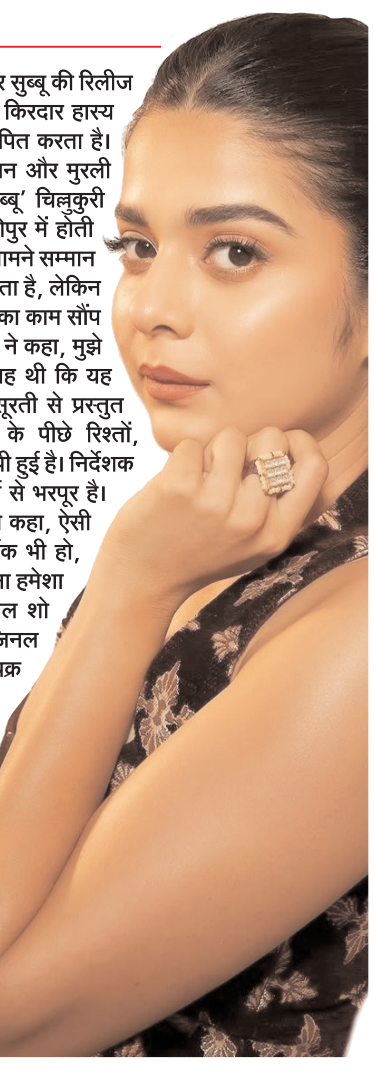

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। बुधवार को सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम 'सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है। सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, मुझे 'सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। तमाम अफरा-तफरी, जिज्ञासा और हंसी-मजाक के पीछे रिश्तों, स्वीकार्यता और एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने की कहानी छिपी हुई है। निर्देशक मल्लिक राम ने जो दुनिया रची है, वह अनोखी, जीवंत और ऊर्जा से भरपूर है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है। उन्होंने आगे कहा, ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज 'सुपर सुब्बू' से जुड़ना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो। मैं दुनिया भर के दर्शकों के माकीपुर के आकर्षण को देखने के लिए उत्साहित हूं। वहीं अभिनेता सुंदीप किशन ने कहा, 'सुपर सुब्बू' एक ऐसे विषय को उठाती है, जिस पर लोग अक्सर खुलकर बात करने से झिझकते हैं। लेकिन यह इसे हास्य, गर्मजोशी और ईमानदारी के साथ पेश करती है। सुब्बू एक ऐसा व्यक्ति है जो एक समस्या सुलझाने निकलता है और अनजाने में पांच नई समस्याओं में फंस जाता है। नौकरी की परेशानियों, रिश्तों की उलझनों, पिता के सामने अपनी छवि बचाने की कोशिश और गांव वालों को नाराज कर देने जैसी स्थितियों के बीच वह लगातार मुश्किलों में घिरा रहता है। उसकी सबसे खास बात यह है कि उसकी नीयत हमेशा अच्छी रहती है, भले ही हालात उसके नियंत्रण से बाहर क्यों न हो जाएं।

'तुम से तुम तक' की अनु ने प्यार और रिश्तों का असली मतलब सिखाया : निहारिका चौकसे

मुंबई/एजेन्सी

टीवी अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों लोकप्रिय सीरियल 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह अनु का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। हाल ही में शो की कहानी में एक बड़ा मोड़ देखने को मिला, जब अनु और आर्य ने तमाम मुश्किलों के बाद आखिरकार शादी कर ली। इस नए पड़ाव के बीच निहारिका ने अपने किरदार और उससे मिली सीख के बारे में आईएएनएस से बात की। निहारिका चौकसे ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''जब मैं पीछे मुड़कर अनु के पूरे सफर को देखती हूं, तो मुझे महसूस होता है कि किरदार ने मुझे जीवन की कई अहम बातें सिखाई हैं। शो में कई ऐसे मौके आए, जब अनु की जिंदगी पूरी तरह बिखरती हुई नजर आई। हालात उसके खिलाफ थे, उसे बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद उसने कभी प्यार पर विश्वास करना नहीं छोड़ा। मुझे अनु के किरदार की सबसे खास बात यही लगी।''

अभिनेत्री ने कहा, ''अनु का प्यार कभी भी जल्दबाजी में लिया गया फैसला नहीं था। उसके रिश्ते की नींव भरोसे, धैर्य और एक-दूसरे को समझने पर टिकी हुई थी। आज के समय में ऐसे रिश्ते कम देखने को मिलते हैं, जहां लोग हर परिस्थिति में एक-दूसरे का साथ निभाने की कोशिश करें। अनु ने हमेशा अपने रिश्ते को समझदारी और विश्वास के साथ संभाला और यही वजह थी कि वह हर मुश्किल दौर में भी मजबूत बनी रही।''

निहारिका ने कहा, ''अनु ने आर्य का साथ अपने रिश्ते और प्यार पर भरोसे के चलते दिया। किसी भी रिश्ते की असली ताकत यही होती है कि लोग मुश्किल समय में भी एक-दूसरे का हाथ न छोड़ें। अनु और आर्य की कहानी इसी भरोसे और विश्वास की कहानी है, जिसने दर्शकों को भी भावुक किया है।'' निहारिका ने कहा, ''यह किरदार मेरे दिल के बेहद करीब है। मैंने कई बार ऐसा महसूस किया है कि मैं खुद भी अनु की जिंदगी का हिस्सा बन गई हूं और उसके साथ-साथ उसी सफर को जी रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी किरदार को निभाता है, तो उस किरदार की कुछ अच्छी बातें उसके अपने व्यक्तित्व का भी हिस्सा बनने लगती हैं।''

उन्होंने बताया, ''अनु से मैंने कई सकारात्मक बातें सीखी हैं। उनमें सबसे अहम ये है कि वह हमेशा सकारात्मक बनी रहती है, लोगों को माफ करना और रिश्तों के लिए कभी हार न मानना भी शामिल है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर छोटी-छोटी बातों पर रिश्तों से दूर हो जाते हैं। ऐसे समय में अनु का किरदार यह संदेश देता है कि अगर कोई रिश्ता सच्चा और ईमानदार है, तो उसे बचाने और निभाने की कोशिश जरूर करनी चाहिए।''

'मिर्जापुरः द मूवी' का टीजर रिलीज, खतरनाक किरदार में दिखे रविकिशन

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी की सबसे चर्चित सीरीज मिर्जापुर अब बड़े पर्दे पर लौटने जा रही है। इस कड़ी में मेकर्स ने 'मिर्जापुर: द मूवी' का टीजर रिलीज कर दिया है, जिसे देखने के बाद साफ है कि इस बार कहानी पहले से ज्यादा बड़ी, ज्यादा मसालेदार और ज्यादा खतरनाक होने वाली है। टीजर में पुराने किरदारों की वापसी के साथ सत्ता, बदला और एम्पायर की नई जंग का संकेत दिया गया है। टीजर की शुरुआत बेहद शांत लेकिन गंभीर माहौल से होती है, जहां कालीन भैया का किरदार एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में दिखाई देता है। वह पूजा करते हुए कहते हैं कि 'काबिल औलाद बहुत मुश्किल से मिलती है और कभी-कभी मिलती ही नहीं।' शुरुआती पल से दर्शकों को मिर्जापुर की वही पुरानी दुनिया याद आ जाती है, जहां हर कदम पर धोखा और हर रिश्ते में एक छिपा एजेंडा होता है। इसके बाद टीजर का रुख बदलता है और गुड्डू भैया की एंट्री होती है। अली फजल का किरदार इस बार पहले से ज्यादा आक्रामक नजर आता है। वह कहते हैं- 'आप हिस्ट्री उठाकर देख लो, जितने भी एम्बीशियस गैंगस्टर रहे हैं, सब टॉप पर पहुंचे हैं।' यानी इस बार उनका लक्ष्य सिर्फ बदला लेना नहीं बल्कि सत्ता को अपने हिस्से में लाना है।

इसी बीच दिव्येंदु शर्मा के मुन्ना भैया की झलक भी दिखाई जाती है, जो अपने पुराने तेवर में हैं। उनकी मौजूदगी टीजर को और भी ज्यादा रोमांचक बनाती है। टीजर में दिखाया गया है कि कहानी इस बार सिर्फ मिर्जापुर शहर तक सीमित नहीं है बल्कि यह जंग पूर्वांचल से आगे बढ़कर बड़े स्तर पर फैल रही है। सत्ता, पैसा और एम्पायर बनाने की होड़ अब एक नई दिशा में जाती दिखाई दे रही है, जहां हर किरदार अपना अलग खेल खेल रहा है।

इस टीजर में एक बड़ा सरप्राइज जितेंद्र कुमार है, जो 'बबलू पंडित' के किरदार में नजर आते हैं। उनकी वापसी कहानी में एक नया मोड़ लाती है। इसके अलावा रवि किशन की एंट्री भी कहानी को नया रंग देती है। उनका किरदार टीजर में रहस्यमय और प्रभावशाली दिखाया गया है, जो आगे चलकर बड़े ट्विस्ट लाएंगे।फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और रविकिशन के अलावा श्वेता त्रिपाठी, जितेंद्र कुमार, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता गौर, सुशांत सिंह, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, कुलभूषण खरबंदा, सोनल चौहान, प्रमोद पाठक और अनंग्शा बिस्वास अहम भूमिका में नजर आएंगे।

'मिर्जापुर: द मूवी' का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज द्वारा किया जा रहा है। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। इस प्रोजेक्ट को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म को हिंदी और तेलुगु भाषाओं में 4 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

अजय देवगन की नई फिल्म 'चौहान' का फर्स्ट लुक वीडियो जारी

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन की आने वाली फिल्म 'चौहान' का फर्स्ट लुक वीडियो रिलीज होते के साथ इंटरनेट पर धमाल मचा रहा है। इस फिल्म में अभिनेता एक बार फिर अपने दमदार और सख्त अंदाज में नजर आने वाले हैं। फर्स्ट लुक वीडियो की शुरुआत कश्मीर के विजुअल्स के साथ एक भारी बैकग्राउंड नैरेशन से होती है, जिसमें कहा जाता है- 'चौराहे पर 300 लड़के थे जनाब, घर सिर्फ 270 पहुंचे 30 कम हैं।' यह लाइन ही पूरे वीडियो का टोन सेट करती है और दर्शकों को एक गंभीर माहौल में ले जाती है। इसके तुरंत बाद अजय देवगन की आवाज सुनाई देती है, जिसमें वह कहते हैं- 'गलती हमारी नहीं थी, ऑर्डर्स ऊपर से आए थे, ईंट का जवाब पत्थर से, पर सामने वाला पत्थर ही उठा ले, तो जवाब क्या' इस डायलॉग के साथ ही स्क्रीन पर युवाओं की भीड़, आगजनी, सैनिकों की तैनाती और उपद्रव के बीच पत्थरबाजी के कई शॉट्स तेजी से दिखाए जाते हैं। वीडियो में आगे दिखाया जाता है कि स्थिति को काबू में करने के लिए सुरक्षाबलों की ओर से टियर गैस का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन मास्क पहने उपद्रवियों पर इसका कोई खास असर नहीं होता। इसके बाद पैलेट गन्स का उपयोग किया जाता है, लेकिन सीमित प्रभाव के कारण हालात फिर भी कंट्रोल में नहीं आते। इसके बाद वॉटर कैनन का भी इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इससे भी कोई समाधान नहीं होगा। स्थिति कंट्रोल से बाहर दिखाई देती है।

इसी बीच वीडियो में एक और अहम सीन सामने आता है, जहां एक पत्थरबाज अपने साथियों को हर शुक्रवार पत्थरबाजी के लिए लाउडस्पीकर से बुलाता है। इसी दौरान अजय देवगन की एंट्री होती है, जो एक बिल्कुल अलग और दमदार अंदाज में नजर आते हैं। वह हाथ में पोर्टेबल म्यूजिक सिस्टम लेकर चलते हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन की फिल्म 'हम' का मशहूर गाना 'जुम्मा चुम्मा दे दे' बज रहा होता है।

इसके बाद अजय देवगन को सेना की वर्दी में स्वैग के साथ चलते हुए दिखाया जाता है। वह चलते हुए जेब से रिवॉल्वर निकालते हैं, जैकेट उतारते हैं और आराम से अपनी घड़ी खोलते हैं। उनके चेहरे को पूरी तरह रिवील नहीं किया गया है, उन्होंने आधा चेहरा एक मास्क से ढका हुआ है, लेकिन उनकी आंखों की तीव्रता और एक्सप्रेशन से उनका किरदार पूरी तरह प्रभावशाली नजर आ रहा है। वीडियो अजय देवगन के दमदार डायलॉग के साथ खत्म होता है, जिसमें वह कहते है- 'पठानों से कहना, चौहान आ रहा है। फिल्म 'चौहान' के जरिए अजय देवगन जियो स्टूडियोज और आनंद एल राय के साथ पहली बार काम कर रहे है। फिल्म का निर्देशन नीरज यादव कर रहे हैं।

मति परिवर्तन ही जीवन की महत्वपूर्ण साधना है : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्यश्री भुवनभानुसूरिश्वरजी म. के समुदाय के आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. का शुक्रवार को साहुकारपेट स्थित आराधना भवन में मंगलमय पदार्पण हुआ।

इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में उन्होंने निर्भयता का अहसास विषय पर अत्यंत ओजस्वी एवं जीवनोपयोगी प्रवचन देते हुए कहा कि गति परिवर्तन नहीं, बल्कि मति परिवर्तन ही जीवन की महत्वपूर्ण साधना है। सद्गति की अपेक्षा सन्मति की चिंता करना अधिक आवश्यक है। आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य जन्म का उद्देश्य अपनी मति को निर्मल, सकारात्मक और सात्त्विक बनाना है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राजा श्रेणिक की आत्मा नरक में होते हुए भी प्रसन्न है, क्योंकि उसकी मति शुद्ध है; जबकि गोशालक बारहवें देवलोक में होने पर भी पीड़ित है, क्योंकि उसकी मति विकृत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रसन्नता का आधार गति नहीं, बल्कि मति है। गति हमारे हाथ में नहीं, किंतु मति को बदलना पूर्णतः हमारे वश में है।पूजा, प्रवचन, तप एवं समस्त धर्माराधना का लक्ष्य मति का परिष्कार है।

उन्होंने कहा कि आज का वातावरण मनुष्य की मति को विचलित करने वाला है। आध्यात्मिक उन्नति की दौड़ में मनुष्य मोक्ष की वास्तविक कुंजी निर्मल मति को ही भूलता जा रहा है। इसलिए प्रभु से सदैव यही

प्रार्थना करनी चाहिए कि हे प्रभु! मुझे गति की नहीं, उत्तम मति की प्राप्ति हो।

आचार्यश्री ने मति परिवर्तन के लिए सुकर, मर्कट, मृग और मधुकर, इन चार गतियों का सुंदर विवेचन किया। उन्होंने कहा कि सुकर गति हमें दूसरों की कमियां खोजने की वृत्ति से सावधान करती है। संसार में कोई भी पूर्ण नहीं है, इसलिए दोष-दृष्टि छोड़कर गुण-दृष्टि अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रवृत्ति का परिमार्जन तो बहुत किया, अब वृत्ति का परिमार्जन आवश्यक है। चॉकलेट के रैपर का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि धर्माराधना का वास्तविक आनंद तभी मिलता है, जब भीतर के आवरण हटते हैं। मर्कट गति का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि बंदर की तरह चंचल मन साधना में सबसे बड़ी बाधा है। जहां मन होता है, वहां तन नहीं और जहां तन होता है, वहां मन नहीं रहता। प्रार्थना और धर्माराधना में मन को एकाग्र करना ही वास्तविक साधना है। उन्होंने प्रेरक शब्दों में कहा कि बहू कितना लेकर आई, यह नहीं; वह कितना छोड़कर आई, यह देखना चाहिए।

मृग गति की चर्चा करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि भय और चिंता मनुष्य के सबसे बड़े शत्रु हैं। साधु जीवन की सबसे बड़ी शक्ति निर्भयता है। महावीर भगवान ने साढ़े बारह वर्ष की कठिन साधना में भी भय को स्थान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आज अवसाद का सबसे बड़ा कारण भविष्य का भय है। मनुष्य को काल्पनिक भय से मुक्त होकर केवल प्रभु और कर्मसत्ता का ही भय रखना चाहिए।

मधुकर गति का विवेचन करते हुए उन्होंने कहा कि जैसे भंवरा सदैव फूलों से मधु ग्रहण करता है, वैसे ही मनुष्य को प्रत्येक व्यक्ति और परिस्थिति में गुणों का संग्रह करना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस घर में प्रभु का वास है, वह घर कभी गरीब नहीं होता।

साथ ही उन्होंने जीवन में छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी दूसरों के प्रति कृतज्ञता और धन्यवाद व्यक्त करने की प्रेरणा दी।

जेएसएस लेआउट में नवनिर्मित हॉस्पिटल का उद्घाटन 26 जुलाई को, तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के नेतृत्व में भगवान महावीर जैन हॉस्पिटल, जेएसएस लेआउट के नवीन हॉस्पिटल का उद्घाटन का मुहूर्त आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी की कृपा से प्रदान किया गया। नए हॉस्पिटल का वास्तु पूजन एवं शांति विधान 15 जुलाई को मैसूर में विराजित साध्वी संस्कारनिधिश्रीजी की निश्रा में संपन्न होगा। 26 जुलाई को अस्पताल का उद्घाटन किया जाएगा। इस महत्त्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों को लेकर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल जैन, उपाध्यक्ष वसंत जैन, मुख्य सचिव प्रवीण जैन, सहसचिव घेवरचंद जैन तथा ट्रस्टी अशोक जैन, हंसराज जैन, जयंतीलाल जैन, राजेश जैन, कांतिलाल जैन, मांगीलाल जैन एवं राजू जैन उपस्थित थे। बैठक में सभी ट्रस्टियों ने उद्घाटन समारोह एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की तथा विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियाँ अपने-अपने स्तर पर स्वीकार करते हुए सफल आयोजन हेतु पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

अग्रवाल सभा प्लेटिनम जुबली वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन कल

खिलाड़ियों की नीलामी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री अग्रवाल सभा के 75वें स्थापना दिवस के मौके पर 'प्लेटिनम जुबली' समारोह के अंतर्गत आयोजित होने वाले 'अग्रवाल सभा प्लेटिनम जुबली वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2026' की खिलाड़ियों की नीलामी अन्नानगर के एसआरकेके भवन में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष सीताराम गोयल, महामंत्री बालगोविंद गुप्ता, अशोक केड़िया, सचिव मनोज गोयल, स्पोर्ट्स कमेटी चेयरमैन योगी सर्राफ तथा टूर्नामेंट चेयरमैन संतोष गोयल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नीलामी प्रक्रिया में आठ टीम मालिकों ने भाग लिया, जिनमें अजय मोदी, अनिल गोयल, अनिल अग्रवाल, बबलू गोयल, गिरीश अग्रवाल, गोपाल सारावगी, नबीन नरसारिया एवं संदीप अग्रवाल शामिल थे। इस दौरान लगभग 72 खिलाड़ियों की नीलामी की गई और उन्हें विभिन्न टीमों में शामिल किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभा के पदाधिकारियों ने खेलों के माध्यम से समाज में एकता, भाईचारे, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह टूर्नामेंट प्लेटिनम जुबली वर्ष के प्रमुख आकर्षणों में से एक होगा।

अग्रवाल सभा प्लेटिनम जुबली वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2026 का आयोजन 28 जून को किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में समाज के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे तथा बड़ी संख्या में समाजबंधुओं के उपस्थित रहने की उम्मीद है। यह टूर्नामेंट श्री अग्रवाल सभा के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और समाज सेवा के प्रति उसके समर्पण का उत्सव है। खिलाड़ियों की सफल नीलामी के साथ ही पूरे समाज में टूर्नामेंट को लेकर उत्साह और उत्सुकता का माहौल बन गया है तथा सभी की निगाहें अब कल होने वाले इस भव्य खेल आयोजन पर टिकी हैं।

भगवान की भक्ति वास्तव में गुणों की भक्ति है : आचार्यश्री युगभूषण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय ट्रस्ट के तत्वावधान में सोलस-2 में आयोजित अंजनशलाका प्रतिष्ठा हेतु पधारे गच्छाधिपति जैनाचार्य युगभूषणसूरीश्वरजी (पंडित महाराज) ने शुक्रवार को कहा कि विश्व के सभी ग्रंथों, शास्त्रों का यदि निचोड़ एक शब्द में निकाला जाए तो वह भगवत भक्ति है। सभी के लिए शास्त्रों का अध्ययन संभव न हो सके, तप-जप न हो सके, ध्यान-योग आदि न हो, फिर भी यदि उसे अपनी आत्मा का कल्याण करना हो तो अत्यंत सरल मार्ग है भगवान की भक्ति। भगवान की भक्ति वास्तव में गुणों की भक्ति है। साधक का लक्ष्य संसार से मुक्त होना है और यह तभी संभव है जब उसकी आत्मा कर्म रहित और गुणयुक्त बने। परमात्मा की भक्ति से साधक क्षमा, नम्रता, सरलता और संतोष जैसे गुणों को विकसित करता है। भक्ति में ऐसी शक्ति है जो साधक को अंततः मुक्ति

तक ले जाने में सक्षम है। आज भले तीर्थंकर भगवान साक्षात रूप में यहां मौजूद नहीं है। फिर भी उनकी मूर्ति और मंदिर हमारे लिए सक्षम प्रेरणा स्रोत है। जो हमें आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। इस तरह देखा जाए तो मंदिर अपराध-मुक्त समाज के निर्माण में अद्वितीय भूमिका निभाते हैं। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय ट्रस्ट के ट्रस्टी कुशलराज गुलेच्छा ने अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु अरविन्द कोठारी को संयोजक नियुक्त किया गया है। प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि अंजनशलाका प्रतिष्ठा संबंधित समस्त विधि विधान रोहित गुरु द्वारा सम्पन्न करवाया जाएगा।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम में लेखा प्रणाली में सुधार के लिए रिपोर्ट तैयार करेगा आईसीएआई

तिरुपति/नई दिल्ली/भाषा। देश के चार्टर्ड अकाउंटेंट का शीर्ष निकाय भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने कहा है कि वह तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की लेखा प्रणाली में सुधार के उपायों पर एक रिपोर्ट तैयार करेगा। आईसीएआई के अध्यक्ष प्रसन्न कुमार डी ने शुक्रवार को कहा कि संस्थान नवीनतम आवश्यकताओं के अनुरूप टीटीडी के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश भी तैयार करेगी। उन्होंने कहा, अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रारंभिक अध्ययन शुरू कर दिया गया है।

सोये भाग्य को जगाने के लिए हो प्रबल पुरुषार्थ : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

तेलंगाना में हुआ जैनाचार्य का मंगल प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायचूर। शुक्रवार को कृष्ण नदी के तट पर उर्जा भरे शब्दों के साथ आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और उनके सहवर्ती श्रमण परिवार ने कर्नाटक को अलविदा करते हुए शुक्रवार को मंत्रोच्चार के साथ उन्होंने तेलंगाना की सीमा में अपने कदम रखे। तेलंगाना की सीमा पर हैदराबाद के सैकड़ों श्रद्धालु भी कृष्ण नदी के तीर पर एकत्रित हुए और संतों का स्वागत किया।प्रवेश के मौके पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि चलना गति है, प्रगति है। वह जीवन के पुरुषार्थ का प्रतीक है। रुकना, थकना या निकम्मे बैठे रहना, अवनति है। ऐसा करने से जीवन का अमूल्य समय व्यर्थ हो जाता है। गति या प्रगति में मेहनत करनी पड़ती है। धर्मशास्त्र कहते हैं कि मनुष्य को सन्मार्ग पर निरंतर चलते रहना चाहिए। जो चलता है, उसका भाग्य भी चलता रहता है। बैठे रहने से भाग्य बैठ जाएगा और भाग्य सो जाएगा। चरैवेति चरैवेति यह उपनिषद का प्रेरणादायी सूत्र है, यह हमें जागृति का संदेश देता है। यह कहता है कि पुरुषार्थ ही प्रारब्ध का निर्माण करता है। सतत सन्मार्ग पर चलते हुए सत्कार्य करते रहना मनुष्य जीवन की सफलता का बीजमंत्र है।ङ्गआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने बताया कि कर्मवाद का सिद्धांत कहता है कि कोई दूसरा आपकी तकदीर लिखने नहीं आएगा और इसी तरह कोई हमारी लिखी तकदीर को मिटा भी नहीं सकता।

हम सबको सदैव यह याद रखना चाहिए कि दूसरों का संचित पुण्य हमारे काम नहीं आता। हमारा किया-कराया ही हमारे साथ चलेगा। तेलंगाना राज्य में प्रवेश के बाद श्रमणगण कुणसी तीर्थ पहुंचे।

सेवा ही सच्ची साधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां निर्जला एकादशी के मौके पर 25 जून माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा विभिन्न स्थानों पर सेवा कार्य का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए मंडल की सदस्याओं ने श्रद्धा एवं सेवा-भाव के साथ लगभग 5000 से अधिक लोगों को शीतल जूस एवं रोज़ मिल्क का वितरण किया। इस सेवा का उद्देश्य राहगीरों, श्रमिकों एवं आमजन को राहत पहुँचाना तथा निर्जला एकादशी के पुण्य पर्व पर मानव सेवा के माध्यम से धर्म का पालन करना था। मंडल की अध्यक्ष ममता बागड़ी ने यह संदेश दिया कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। कार्यक्रम संयोजिका शोभना सिक्ची और पायल गोयदनी के मार्गदर्शन में यह सेवा कार्य अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा। सचिव कुसुम मालपानी ने सभी सहयोगी सदस्याओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में 46वां वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गुरुवार को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के प्रांगण में 46वां वार्षिकोत्सव एवं 10वीं तथा12वीं की बोर्ड परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मेधावी छात्र-छात्राओं और श्रेष्ठ अध्यापक-अध्यापिकाओं, के लिए सम्मान, समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। एमजीएम अस्पताल पुनर्वास चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र ने मुख्य अतिथि तथा आयकर अधिकारी जी सुरेश बाबू ने विशिष्ठ अतिथि पद की शोभा बढ़ाई। अग्रवाल रिलीफ एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष हरीश कुमार सांघी, विद्यालय अध्यक्ष शिवकुमार गोयनका, सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया, सांस्कृतिक अध्यक्ष एवं संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल, प्रधानाचार्या सी विजयलक्ष्मी ने पुष्पगुच्छ, शाल तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का सम्मान किया। अध्यक्ष शिवकुमार गोयनका ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या सी.विजयलक्ष्मी द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी को इंडियन टैलेंट ओलंपियाड द्वारा गोल्डन स्कूल अवार्ड तथा इंडियन टैलेंट ओलंपियाड बेस्ट प्रिंसिपल अवार्ड से नवाजा गया। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विद्यालय में 30, 25, 20 एवं 10 वर्ष की सफल एवं श्रेष्ठ कार्य को पूर्ण करने, श्रेष्ठ शिक्षक, 100 प्रतिशत उपस्थिति तथा विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने के लिए भी शिक्षकों को पुरस्कार स्वरूप नगद राशि प्रदान की गई साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में भी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के 10वीं एवं 12वीं के मेधावी, सर्वश्रेष्ठ एवं अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं समिति सदस्यों ने छात्रों और शिक्षकों को उनके विभिन्न क्षेत्रों के लिए स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा नगद राशि प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने अपने उद्‍बोधन में सभी को प्रेरित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत इन्वोकेशन, मदर्स लव, ऑपरेशन सिंदूर, वेस्टर्न डांस कृष्णा एक्ट आदि मनमोहक नृत्यों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस समारोह में एआरईटी बोर्ड के उपाध्यक्ष बीपी झुनझुनवाला, विद्यालय कोषाध्यक्ष सावरमल खेमका एवं सभी समिति सदस्य, अभिभावकगण, शिक्षकगण तथा छात्रों ने अपनी उपस्थिति देकर समारोह की शोभा बढ़ाई। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष जयंती, छात्र प्रतीक तथा छात्रा श्रुति ने मंच का संचालन किया। छात्रा अंजना के धन्यवाद ज्ञापित किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.